डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/ म.प्र./ मन्दसौर/ 122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 273 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 19 जुलाई 2025 | मूल्य 2 रुपया

ज्यादातर अतिथि शिक्षकों की कट सकती है सैलरी..?

मंदसौर, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सरकारी स्कूलों में कार्यरत 80 फीसदी अतिथि शिक्षक ई अटेन्डेंस नहीं लगा रहे हैं। केवल 20 फीसदी ही ऐसे हैं जिन्होंने निर्देशों का पालन कियाहैं। लोक शिक्षण संचालनालय अब इन पर कारवाई करने जा रहा है। ई अटेन्डेंस न लगाने पर वेतन काटने की चेतावनी दी गई है। शिक्षकों ने इसका विरोध किया है। सरकारी स्कूल के शिक्षकों को ई अटेन्डेंस अनिवार्य हो चुकी है। स्कूल शिक्षा विभाग के हमारे ऐप के माध्यम से शिक्षक अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। अतिथि शिक्षकों के मामले में विभाग ने रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक केवल 20 फीसदी ही इसका पालन कर रहे हैं। लोक शिक्षण संचालक केके त्रिवेदी ने सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजे हैं। इसमें 18 जुलाई से अतिथियों की ई अटेन्डेंस सुनिश्चित कराने की बात कही गई है। स्कूलों में अडेन्डेंस का केवल एक ही तरीका अपनाया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक जिस दिन अटेन्डेंस नहीं होगी उस दिन का वेतन भी नहीं बनेगा।

आवास के सपनों के बीच दिक्कतों का रोड़ा

जिस प्रमाण पत्र से रजिस्ट्री, वही आवास में मान्य नहीं..!
ग्रामीण आवास योजना में तीसरी और चौथी किश्त का इंतजार.?

मंदसौर, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना 2.0 में हितग्राही को तभी लाभ मिलेगा, जब उसके पास भूखंड की रजिस्ट्री, स्थायी पट्टा या संपत्ति स्वामित्व का ऐसा दस्तावेज हो जिसे राजस्व विभाग मान्य करें। इस नियम के कारण नगर के सैकड़ों पात्र और वास्तविक हितग्राही परिवारों को आवास योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। जिन लोगों के पास पैतृक भूखंड या कच्चा मकान है। लेकिन, रजिस्ट्री नहीं है, उन्हें नपा ने पेंडेंसी लिस्ट में डाल दिया है और आगे कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

दरअसल आवास योजना की जो गइडलाइन जारी हुई थी उसके पेज नंबर-4 पर नियमावली क्रमांक 3.1.9 में यह लिखा है कि बीएलसी घटक का लाभ लेने के लिए रजिस्ट्री, पट्टा, भू-अधिकार-पत्र या भूमि स्वामित्व संबंधी स्पष्ट दस्तावेज जो राजस्व विभाग मान्य करता है, उपलब्ध होना चाहिए। इसी नियम के चक्कर में सैकड़ों हितग्राहियों के आवेदन लंबित पड़े हैं। एक हितग्राही ने बताया कि मेरा मकान कच्चा होकर जर्जर है। उसका स्वामित्व मेरे नाम है और नपा के रिकॉर्ड में भी दर्ज है। उसका प्रमाण-पत्र भी पेश कर दिया। लेकिन, मान्य नहीं कर रहे। जबकि, इसी प्रमाण-पत्र के आधार पर शहरभर में रजिस्ट्रियां हो रही हैं। यह हमारी पैतृक भूमि है, इसकी रजिस्ट्री कहां से लाएं। मेरा पूरा मकान जर्जर होकर रहने लायक नहीं बचा हैं। लेकिन, नियमों का हवाला देकर अधिकारी आवास की स्वीकृति नहीं दे रहे हैं। ठीक यही समस्या कई परिवारों की हैं।

आबादी भूमि राजस्व में सरकारी दर्ज इसलिए नामांतरण नहीं हो रहे...

समस्या ये है कि ये नगर आबादी क्षेत्र का हिस्सा है और नगर आबादी को राजस्व रिकॉर्ड में शासकीय लिखा हुआ है। चूंकि कोई भी तहसीलदार शासकीय दर्ज भूमि पर किसी का निजी नामांतरण नहीं कर सकता है, इसलिए राजस्व में नामांतरण नहीं हो रहा। पहले नजूल तहसीलदार हुआ करते थे जो ऐसी स्थिति में नामांतरण करते थे। लेकिन, वह व्यवस्था बहुत पहले ही समाप्त की जा चुकी है। ऐसे में ना राजस्व में नामांतरण हो रहा है और ना नपा से लाभ मिल रहा है।

प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना की हालत भी ऐसी ही...

प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना की तरह प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना की हालत भी कुछ ऐसी ही है। योजना की प्रगति में आई गिरावट पिछले सात सालों में सबसे खराब है। योजना के तहत चार किश्तों में भुगतान होता है। पहली और दूसरी किश्त तो ज्यादातर घरों में हजारी हो जाती है। लेकिन, तीसरी और चौथी किश्त उन्हीं को मिलती है जो निर्माण को अंतिम चरण तक ले जाते हैं। मंदसौर जिले की बात करें तो 73 प्रश मकान पूरे हुए है। जबकि 27 प्रश लोग तीसरी या चौथी किश्त का इंतजार कर रहे हैं।

भाजपा नेता की घर में हत्या

शरीर पर मिले धारदार हथियार के निशान, पुलिस कप्तान मौके पर पहुंचे
उपमुख्यमंत्री ने दिए आरोपियों को जल्द पकड़ने के निर्देश

नारायणगढ़, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नाहरगढ थाना क्षेत्र के ग्राम हिंगोरिया बड़ा में भाजपा नेता की उनके ही घर में हत्या कर दी गई। शरीर पर धारदार हथियार के निशान भी मिले हैं। सुबह खून से लथपथ शव उनके कमरे में मिला। सूचना मिलने पर पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद भी मौके पर पहुंचे। इधर डिप्टी सीएम जगदीश देवडा ने मामले में जल्द से जल्द आरोपियों को पकडने के निर्देश दिए है।

जिले के नाहरगढ थाना क्षेत्र के हिंगोरिया बडा गांव में श्यामलाल धाकड पिता दौलतराम धाकड, उम्र लगभग 45 वर्ष की खून से सनी लाश उनके ही मकान की दूसरी मंजिल पर स्थित कमरे में पाई गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार श्यामलाल धाकड रात में घर की ऊपरी मंजिल पर अकेले सो रहे थे। जबकि, उनके परिजन नीचे के कमरों में विश्राम कर रहे थे। रात के अंधेरे में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उन पर धारदार हथियार से हमला किया गया, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही नाहरगढ थाना प्रभारी प्रभात सिंह गौड़ पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद भी मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने मौके पर जांच पड़ताल की। पुलिस फिलहाल अज्ञात हमलावर की तलाश कर रही है। प्रारंभिक जांच में हत्या के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। मृतक श्यामलाल धाकड़ भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता थे। गांव में इस घटना के बाद शोक की लहर है।

देवड़ा ने दिए निर्देश...

सोशल मीडिया पर उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने पोस्ट के माध्यम से कहा कि मंदसौर जिले के नाहरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम हिंगोरिया बड़ा में पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता श्री श्यामलाल धाकड़ का शव उनके घर में मिलने का समाचार प्राप्त हुआ। स्थानीय कार्यकर्ताओ ने हत्या की आशंका जाहिर की है। मैने जिला पुलिस अधिकारी अभिषेक आनंद और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर निर्देश दिए है कि मामले में निष्पक्ष जांच की जाए। घटनाक्रम का जल्द से जल्द खुलासा कर जो भी आरोपी हो उन्हें जैल की सलाखों के पिछे पहुंचाए। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं पीडित परिवार के साथ है। परिवार को न्याय दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। मृतात्मा के प्रति विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित कर परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें।

2021 से मंडल उपाध्यक्ष थे धाकड़...

स्थानीय लोगों ने बताया कि श्यामलाल धाकड साल 2021 से लगातार भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता और मल्हारगढ विधानसभा क्षेत्र के बूढा मंडल से उपाध्यक्ष थे। वे पार्टी के हर कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते थे। उनका एक बेटा और एक बेटी है।

टीआई बोले- हमलावर की तलाश कर रहे हैं...

थाना प्रभारी प्रभात सिंह गौड़ ने बताया- मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। एसएफएल की टीम को भी बुलाया गया है। परिजन से पूछताछ के साथ आसपास के क्षेत्रों में तलाश अभियान जारी है।

रेलवे दोहरीकरण से बढ़ेंगे व्यापार के अवसर

युवाओं के लिए खुलेंगे रोजगार के नए द्वार, बढ़ जाएगी जिले की जीडीपी

मंदसौर, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। रेलवे का करीब 1100 करोड़ रुपए की लागत से नीमच से रतलाम तक दोहरीकरण का काम अंतिम चरण में है। इसके साथ - साथ इस रेल लाइन पर विद्युतकरण भी हो रहा है। इस काम को पूरा करने का लक्ष्य दिसंबर का है। इससे रतलाम, मंदसौर व नीमच की अर्थव्यवस्था को सबसे अधिक लाभ होगा। रेलवे का दोहरीकरण कार्य के पूरे होने के बाद यात्री ट्रेन की संख्या तो बढ़ेगी ही इसके साथ - साथ मालगाड़ियों की संख्या भी बढ़ेगी। इतना ही नहीं, मंदसौर सहित रतलाम व नीमच की जीडीपी में इससे ग्रोथ होगा व रोजगार के अवसर बढेंगे।

बता दे कि 1100 करोड़ रुपए की लागत से दोहरीकरण कार्य हो रहा है। इसके लिए राशि सितंबर 2021 में जारी की। इसके बाद टेंडर आदि हुए। नीमच से दलौदा, दलौदा से बड़ायला चौरासी व बड़ायला चौरासी से रतलाम तक ये कार्य हो गया है या कहीं पर अंतिम चरण में है। अब अलग-अलग स्टेशन पर नए प्लेटफॉर्म, पेनल रुम, यात्री प्रतिक्षालय, नए प्लेटफॉर्म बनाने का काम अंतिम दौर में है। मंदसौर में कई तरह के छोटे बड़े उद्योग और हस्तशिल्प का काम होता है। इन उद्योग को दोहरीकरण से एक्सपोर्ट में लाभ होगा।

इनका कहना...

जब भी रेलवे का कोई प्रोजेक्ट पूरा होता है तो इससे सभी को लाभ होता है। नीमच-रतलाम दोहरीकरण से यात्रियों को तेज गति की ट्रेन मिलेगी तो गुडकी दृष्टिसे भी लाभ होगा।

खेमराज मीणा, जनसंपर्क अधिकारी, रतलाम रेल मंडल

चेन लूटने वाली बाछड़ा गिरोह की पांच महिला आरोपी गिरफ्तार

सीतामऊ पुलिस ने 12.43 ग्राम सोने की चैन बरामद की

सभी आरोपी हाड़ी पिपलिया बाछड़ा डेरा की निवासी

मंदसौर, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सीतामऊ में चल रही शिव महापुराण कथा के पांडाल से तीन महिलाओं की सोने की चैन लूटने वाली बाछड़ा गिरोह की पांच महिला आरोपियों को सीतामऊ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से 12.43 ग्राम सोने की चैन बरामद की गई है, जिसकी अनुमानित कीमत एक लाख रुपये है।

पुलिस कप्तान के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरोठ, एसडीओपी सीतामऊ और थाना प्रभारी सीतामऊके मार्गदर्शन में गठित टीम को यह सफलता मिली। शुक्रवार 17 जुलाई 2025 को नर्मदा बाई मांदलिया, उम्र 65 वर्ष निवासी सीतामऊ, अपने परिवार की महिलाओं के साथ कथा स्थल गोशाला ग्राउंड सीतामऊमें शिव महापुराण कथा में शामिल हुई थीं। कथा समाप्ति के बाद प्रसादी व रुद्राक्ष वितरण के समय जब वे लाइन में लगी थीं, तब चार महिलाओं ने उन्हें घेर लिया। एक महिला ने उनका हाथ पकड़कर मुंह पर मुक्का मारा और गले से सोने की चैन खींच ली। इसी प्रकार मुन्नी देवी और गीता बाई, दोनों निवासी सीतामऊ, के साथ भी लूट की गई। पुलिस ने इस संबंध में अपराध धारा 309(6), 115(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। सूक्ष्म जांच और घटनास्थल पर की गई पतारसी के आधार पर पुलिस ने हाड़ी पिपलिया बाछड़ा डेरा थाना मनासा, जिला नीमच की पांच महिलाओं रविना पति सोनू मालवीय (28 वर्ष), लक्ष्मी पति दीपक मालवीय (40 वर्ष), दीपिका पिता दीपक मालवीय (20 वर्ष), दुर्गा बाई पति विशाल मालवीय (28 वर्ष), और अमरी बाई पति सुरेश मालवीय (40 वर्ष) को गिरफ्तार कर उनके पास से लूटी गई 12.43 ग्राम वजनी सोने की चैन बरामद की।

किराना व्यापारी के अपहरण की आशंका

दुकान का सामान लेने बाजार गए थे, फोन भी बंद

नीमच, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। बुधवार दोपहर सेमली चंद्रावत के किराना व्यापारी दिनेश खारोल से लापता हैं। वह दुकान का सामान लेने अन्नपूर्णा बस से नीमच गये थे थे। इसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल रहा है। दिनेश के भाई भरत कुमार और परिजन गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। उन्होंने एसपी को ज्ञापन सौंपा।

भरत ने बताया कि दिनेश सेमली चंद्रावत में किराना की दुकान चलाते हैं। वह 16 जुलाई को दोपहर 2 बजे नीमच आए थे। तब से उनका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है।दिनेश के पिता रामप्रसाद ने बताया कि लापता होने से पहले उनके बेटे को पत्नी का वीडियो कॉल आया था। कॉल के बाद दिनेश परेशान दिख रहा था। इस वजह से परिवार ने अपहरण की आशंका जताई है। परिजनों ने पुलिस से साइबर सेल की मदद से मोबाइल ट्रेस करने की मांग की है। पुलिस ने सिटी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने यह भी बताया कि गुरुवार सुबह एक बार दिनेश ने पिता को वीडियो कॉल किया था। जिसमें वह परेशान दिख रहा था। उसके बाद से ही फोन डिस्कनेक्ट हो गया और अब फोन बंद आ रहा है।

पानी ही पानी ....

शुक्रवार दोपहर को हुई झमाझम बारिश से शहर की सड़के तरबतर हो गई। कई स्थानों पर जल भराव की स्थिति निर्मित हो गई।

नपा के कॉम्प्लेक्स में ही नहीं हो रहा एमओएस का पालन..!

मंदसौर 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नई आबादी स्थित श्री राम मोहन अस्पताल पर हुई कार्रवाई चर्चाओं में हैं। मामला है एमओएस के उल्लंघन का। लेकिन, आश्चर्य की बात तो यह है कि नगरपालिका ने शहर में कई कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया है। जिसमें एमओएस का पालन नहीं किया। इसके अलावा शहर में कई भवन और बिल्डिंग है, जहां पार्किंग नहीं होने से शहर के मुख्य मार्गों पर वाहन मेला की तरह सड़क के बीच खड़े वाहन यातायात को प्रभावित कर रहे हैं।

शहर के प्रमुख मार्गों की स्थिति यह है कि आधी सड़क तक वाहन खड़े किए जा रहे हैं। इससे पूरी यातायात व्यवस्था बेहद खराब हो रही है। अभी शहर में एकांकी मार्ग व अन्य सारी व्यवस्थाएं भी चौपट हो गई है। नपा व यातायात पुलिस ने कई बार सफेद लाइन भी डाली थी। पर खुद ही उसका पालन नहीं करा पाए।

जिले में परिवहन विभाग के आंकड़ों को देखें तो प्रतिवर्ष लगभग एक लाख से अधिक वाहनों का पंजीयन हो रहा है। इनमें से 30-40 प्रश तो अकेले मंदसौर शहर में ही रहते हैं। इसके अलावा जिले भर से भी वाहन शहर में आते रहते हैं। पर शहर की सड़कें वाहनों को एक साथ झेलने को तैयार नहीं हैं। नतीजा यह हो रहा है कि शहर के कालिदास मार्ग, घंटाघर, सदर बाजार, धानमंडी, सम्राट मार्ग, शुक्ला चौक, गौतम नगर मुख्य मार्ग सहित अन्य प्रमुख बाजारों में यातायात की स्थिति बेहद खराब हो रही है। यहां आधी सड़क तक वाहन खड़े रहने से भी यातायात सुगम नहीं हो पा रहा है। नपा ने सात साल पहले धानमंडी में हाट मैदान के समीप एवं कालाखेत में शापिंग कामप्लेक्स के समीप खुली भूमि पर पार्किंग स्थल चिन्हित किया था। आज भी वह जगह वैसी ही है। कई बार अधिकारियों और इंजीनियरों ने इन स्थानों का संयुक्त निरीक्षण भी किया। पर पार्किंग स्थल विकसित नहीं हो पाए हैं।

बता दे की शहर के प्रमुख बाजार घंटाघर, कालिदास मार्ग, सम्राट मार्ग, सदर बाजार, धानमंडी, कालाखेत गौतम नगर मेन रोड, दया मंदिर रोड, गोल चौराहा सहित अन्य मार्गों पर दुकानों के सामने बीच सड़क तक खड़े वाहनों से पूरी यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। समस्या के समाधान के लिए पूर्व में नपा परिषद ने दो स्थानों पर पार्किंग स्थल बनाने का निर्णय भी लिया था। धानमडी में हाट मैदान के समीप भूमि और कालाखेत में प्रस्तावित मिनी स्टेडियम शापिंग कामप्लेक्स की दुकानों के समीप की भूमि का चयन कर पार्किंग स्थल की योजना कई बार बन चुकी है। नपा अधिकारियों, इंजीनियरों व यातायात अमले ने इन स्थलों का कई बार निरीक्षण भी किया। व्यापारियों ने यहां पर वाहनों की सुरक्षा की चिंता जताई थी, जिसके बाद नपा ने शेड बनाने की बात कही। यह योजना आज तक मूर्त रूप नहीं ले पाई है।

दबाव बढ़ते ही शुरू होती है चालानी कार्रवाई...

पार्किंग स्थल नहीं होने से चालक सड़को के किनारे ही वाहन खड़े कर रहे हैं। इससे सडक़ों पर जाम लग रहा है।

दबाव बढ़ते ही यातायात का अमला सडक़ किनारे खड़े वाहनों के चालान बनाने में जुट जाता है। वाहनों को जब्त कर चालानी राशि वसूली जाती है। लेकिन, समस्या के स्थायी समाधान के प्रयास नहीं हो रहे हैं।

एक भी बैंक में नहीं पार्किंग व्यवस्था...

रेलवे स्टेशन रोड, महू-नीमच राजमार्ग, नई आबादी, मुखर्जी चौक, कालिदास मार्ग सहित शहर में 40 से अधिक बैंक शाखाएं है। एक भी बैंक शाखा ने पार्किंग व्यवस्था नहीं की है। नई आबादी में सहकारी बाजार रोड पर तो बैंक की पार्किंग के कारण जाम ही लगा रहता है। बैंक कर्मचारी और वहां आने वाले लोग अपने वाहनों को सड़क पर ही खड़े कर रहे हैं। यातायात जाम होने के साथ ही मार्गों से आने-जाने वाले लोगों को परेशानी होती है। अस्पताल रोड, गांधी चौराहा, स्टेशन रोड, मुखर्जी चौक, कोतवाली के समीप की बैंकों के बाहर दिन भर जाम की स्थिति बनी रहती है।

विचार-मंथन

भारत ने एससीओ में दिखाया पाक का असली चेहरा

आतंकवाद अब पूरी दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बन गया है। इसे जड़ से खत्म करने के लिए सामूहिक प्रयास के दावे तो बहुत किए जाते हैं, लेकिन धरातल पर ऐसा कुछ होता नजर नहीं आ रहा है। इसका कारण है कुछ देशों की कथनी और करनी में अंतर, जो कई अवसरों और मंचों पर साफ नजर आता है। इस मामले में भारत की नीति और नीयत पूरी तरह स्पष्ट है कि आतंक को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं, पाकिस्तान जैसे मुल्क दोहरे मापदंड अपना कर एक तरफ खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताते हैं, दूसरी ओर अपनी जमीन पर आतंकियों की फौज भी तैयार कर रहे हैं। इन तथ्यों का आकलन शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की हालिया बैठकों में आतंक के मुद्दे पर भारत और पाकिस्तान के रुख से किया जा सकता है। चीन के तियानजिन में बीते मंगलवार को हुई एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दो टूक कहा कि इस समूह को आतंकवाद से निपटने के अपने स्थापना उद्देश्य पर कायम रहना चाहिए। भारत आतंकवाद के खात्मे के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस दिशा में सामूहिक प्रयासों को मजबूत करने के लिए नए विचारों और प्रस्तावों पर सकारात्मक रुख अपना रहा है। एससीओ की स्थापना के मूल उद्देश्य में आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ से निपटने के मुद्दे भी शामिल थे। हालांकि, इस संगठन में शामिल पाकिस्तान और चीन की दखल से इन मुद्दों को हाशिये पर धकेलने का प्रयास किया जाता रहा है। इसके पीछे नापाक मंसूबे छिपे हुए हैं, जो आतंकियों का वित्त पोषण कर उन्हें हथियार की तरह इस्तेमाल करने से प्रेरित हैं। भारत कई बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के इन खतरनाक

इरादों को बेनकाब कर चुका है। हालांकि पाकिस्तान हमेशा इससे इनकार करता आया है। एससीओ सम्मेलन में भी उसने पहलगाम आतंकी हमले में अपनी भूमिका नहीं कबूली। जबकि, कंधार विमान अपहरण से लेकर मुंबई हमले, संसद पर हमला तथा उरी, पठानकोट और पहलगाम हमले में उसका हाथ होने की बात साक्ष्यों के साथ जाहिर हो चुकी है। वैश्विक आतंकवाद वित्त पोषण निगरानी संस्था एफएटीएफ की हालिया रपट में भी इस बात का उल्लेख किया गया है कि पहलगाम आतंकी हमला बिना वित्त पोषण के संभव नहीं था। इससे पहले जून में हुए एससीओ के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले का हवाला देते हुए कहा था कि कुछ देश अपनी नीतियों में सीमापार आतंकवाद को एक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं और आतंकियों को पनाह दे रहे हैं। इसके बाद जब सम्मेलन का संयुक्त घोषणा-पत्र तैयार किया गया, तो उसमें पहलगाम आतंकी हमले का कोई जिक्र नहीं था और भारत ने इसका कड़ा विरोध किया था। इससे पाकिस्तान और चीन के मंसूबों का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। अगर ये देश वास्तव में आतंकवाद को खत्म करने की इच्छा रखते हैं, तो संयुक्त घोषणा-पत्र में पहलगाम हमले की निंदा करने से गुरेज क्यों किया गया? दोराय नहीं कि ऐसे दोहरे मापदंड को खत्म करना बेहद जरूरी है और एससीओ जैसे मंच को ऐसी ताकतों की खुलेआम आलोचना करनी चाहिए। अब जरूरी है कि आतंकवाद के वित्त पोषकों और प्रायोजकों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए ईमानदारी से प्रयास किए जाएं।

वैश्विक मंच पर चमकती हिन्दी और क्षेत्रीय राजनीति की कुंठा

योगेश कुमार गोयल

हिन्दी केवल एक भाषा नहीं बल्कि भारत की आत्मा, चेतना, अस्मिता और स्वाभिमान की प्रतीक है। यह भारतीय संस्कृति की वह अदृश्य डोर है, जो देश के कोने-कोने को जोड़ती है। दुर्भाग्यवश हिन्दी जब अपनी वैश्विक उड़ान भर रही है, उसी समय देश के भीतर कुछ क्षेत्रीय राजनीतिक स्वार्थों के कारण हिन्दी का विरोध हो रहा है। खासकर महाराष्ट्र जैसे राज्य में, जहां मुंबई में हिन्दी फिल्मों का केंद्र है, वहां हिन्दी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन, नारेबाजी और हिन्दी बोलने वालों पर हमले की घटनाएं चिंताजनक हैं। यह विडंबना ही है कि एक ओर जहां दुनिया हिन्दी को सम्मान दे रही है, वहीं भारत में कुछ शक्तियां इसे राजनीतिक हथियार बना रही हैं। यह सच है कि भारत में विविध भाषाओं और बोलियों का समृद्ध संसार है। संविधान 18वीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता देता है। इनमें से हर भाषा का सम्मान और संरक्षण आवश्यक है लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जनसंख्या द्वारा बोली जाने वाली हिन्दी के खिलाफ वैमनस्य फैलाया जाए। हिन्दी को थोपे जाने की राजनीति और विरोध दोनों ही गलत हैं। भाषा का विकास संवाद और सहमति से होता है, न कि टकराव से। आज जब हिन्दी आर्थिक, तकनीकी, सांस्कृतिक और साहित्यिक रूप से दुनिया में भारत की पहचान बन रही है, तब इसे विरोध का विषय बनाना केवल संकीर्ण राजनीति का परिचायक है। दुनियाभर में आज जब अपनी-अपनी भाषाओं को लेकर चिंता बढ़ रही है, ऐसे समय में हिन्दी न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता की नई ऊंचाइयों को छू रही है। एक ओर जहां सैंकड़ों भाषाएं लुप्त होने के कगार पर हैं, वहीं हिन्दी वैश्विक मंच पर तेजी से उभर रही है, जिसे लेकर हर भारतवासी को गर्व होना चाहिए। विश्व में लगभग 6900 भाषाएं बोली जाती हैं, जिनमें से 35 से 40 प्रतिशत भाषाएं आज अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। इसके विपरीत

हिन्दी अब दुनिया की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन चुकी है। 'एथ्नोलॉग' की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, हिन्दी के 61.5 करोड़ मूल वक्ता हैं। यह आंकड़ा भाषा के प्रसार और इसकी प्रभावशीलता का प्रमाण है। मन्दारिन और अंग्रेजी के बाद हिन्दी की यह स्थिति केवल आंकड़ों की बात नहीं है बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक शक्ति का वैश्विक स्वीकार भी है। वर्षों से हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर लाने के प्रयास किए जाते रहे हैं। जून 2022 में जब संयुक्त राष्ट्र ने हिन्दी, उर्दू और बांग्ला में जानकारी उपलब्ध कराने की पहल की तो यह हिन्दी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था। इससे स्पष्ट हुआ था कि वैश्विक संस्थाएं अब भारतीय भाषाओं की उपेक्षा नहीं कर सकती। दुनिया के 50 से अधिक देशों में 150 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिन्दी एक विषय के रूप में पढ़ाई जाती है। अमेरिका, जर्मनी, रूस, फ्रांस, जापान, पोलैंड, नेपाल, फिजी, मॉरीशस जैसे देशों में हिन्दी के अध्ययन और शोध को लेकर विशेष रुचि देखी जा रही है। यूजीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में भारत में हिन्दी सीखने आने वाले विदेशी विद्यार्थियों की संख्या में 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित फिजी में हिन्दी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। वहां फिजी हिन्दी महापरिषद जैसी संस्थाएं हिन्दी के प्रचार-प्रसार में सक्रिय हैं। मॉरीशस में 2002 में स्थापित विश्व हिन्दी सचिवालय हिन्दी भाषा के अंतर्राष्ट्रीय प्रसार का सशक्त मंच बना हुआ है। यहां से विश्व हिन्दी पत्रिका और विश्व हिन्दी समाचार जैसे प्रकाशनों के जरिए हिन्दी की वैश्विक उपस्थिति मजबूत की जा रही है। रूस में भी हिन्दी साहित्य का प्रभाव गहराता जा रहा है। अनेक रूसी विद्वान तुलसीदास, प्रेमचंद, माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा जैसे भारतीय लेखकों के साहित्य का रूसी में अनुवाद कर रहे हैं। रूस के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी भाषा और साहित्य का व्यापक अध्ययन होता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि साहित्यिक दृष्टि से भी हिन्दी की जड़ें वैश्विक धरातल पर गहरी हो रही हैं। हिन्दी को ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ने भी सम्मान दिया है। 'बच्चा', 'अच्छा', 'दादागिरी', 'पंडित', 'जुगाड़', 'गुलाब जामुन' जैसे अनेक हिन्दी शब्द अब इस प्रतिष्ठित शब्दकोश का हिस्सा बन चुके हैं। यह उस सांस्कृतिक प्रभाव की मान्यता है, जो हिन्दी शब्दों के जरिए दुनिया में फैल रहा है। अमेरिका की 'ग्लोबल लैंग्वेज मॉनीटर' संस्था हिन्दी की शब्दसंपदा को समृद्ध बता चुकी है। एक अनुमान के अनुसार हिन्दी में 1.25 लाख से अधिक शब्द हैं। वहीं, अमेरिका की 2023 की जनगणना रिपोर्ट बताती है कि वहां हिन्दी बोलने वालों की संख्या 10 लाख से अधिक हो चुकी है। 2011 की तुलना में यह वृद्धि अभूतपूर्व है। बॉलीवुड और भारतीय सिनेमा ने भी हिन्दी के वैश्विक विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिन्दी फिल्मों की लोकप्रियता आज अमेरिका, इंग्लैंड, यूएई, सिंगापुर, मलेशिया, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, तुर्की तक फैली है। कई देशों में हिन्दी फिल्मों के रेडियो चैनल, टीवी चैनल, फिल्म समारोह और लाइव शो आयोजित किए जाते हैं, जो हिन्दी को सांस्कृतिक राजदूत के रूप में प्रस्तुत करते हैं। हिन्दी की लोकप्रियता को सोशल मीडिया ने भी एक नई ऊंचाई दी है। यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स पर हिन्दी सामग्री का विस्तार प्रतिवर्ष 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। 2024 की एक रिपोर्ट बताती है कि हिन्दी इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 20 करोड़ पार कर चुकी है। गूगल के अनुसार, हिन्दी कंटेंट की वार्षिक वृद्धि दर 94 प्रतिशत है जबकि अंग्रेजी की घटती जा रही है। अब ई-कॉमर्स और तकनीक की दुनिया में भी हिन्दी एक मजबूत बाजार भाषा बन चुकी है। अमेजन, फ्लिपकार्ट जैसी दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनियां भी अब हिन्दी में सेवाएं दे रही हैं। डेलॉइट की 2023 की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 65 प्रतिशत ऑनलाइन उपभोक्ता अब हिन्दी या अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में जानकारी लेना पसंद करते हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि हिन्दी का आर्थिक मूल्य भी तेजी से बढ़ रहा है। गूगल ट्रांसलेट, माइक्रोसॉफ्ट ट्रांसलेटर, वॉयस असिस्टेंट्स, एआई चैटबॉट्स और नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग में हिन्दी को प्रमुखता दी जा रही है। तकनीकी उपकरणों में हिन्दी इनपुट और आउटपुट की सुविधा अब आम बात हो चुकी है। भारत के डिजिटल इंडिया अभियान में भी हिन्दी की प्रमुख भूमिका है। हिन्दी की वैश्विक प्रतिष्ठा को विश्व हिन्दी सम्मेलन जैसे आयोजन भी मजबूती दे रहे हैं। 1975 से अब तक यह सम्मेलन भारत, मॉरीशस, अमेरिका, यूके, त्रिनिदाद, फिजी जैसे देशों में आयोजित हो चुका है। इन आयोजनों में 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। इतिहास गवाह है कि महात्मा गांधी ने हिन्दी को राष्ट्र की आत्मा बताते हुए इसे राष्ट्रीय एकता का आधार कहा था। भारत सरकार द्वारा 1963 में स्थापित केन्द्रीय हिन्दी संस्थान अब हिन्दी में उच्च शिक्षा, शोध और प्रशिक्षण का प्रमुख केंद्र बन चुका है। यह संस्थान प्रत्येक वर्ष 'हिन्दी सेवी सम्मान' प्रदान करता है, जो हिन्दी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को दिए जाते हैं।

विचारों को अपने आप तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए

अनिल त्रिवेदी

विचार और प्रचार दोनों के बीच अंतर्संबंधों पर जब हम सोचते-विचारते है तो यह सूत्र मिलता है कि विचार ही प्रचार का जन्मदाता है। विचार मूलत : चिंतन प्रक्रिया का मूल या बीज ही माना जाएगा। अगर विचार न हो तो चिंतन, मनन, लेखन और सृजन या विध्वंस कुछ भी उत्पन्न हो ही नहीं सकता। विचार अस्तित्व है तो शून्य अस्तित्व का अभाव है। अस्तित्व साकार या सगुण है, तो शून्य निराकार निर्गुण है। रेखागणित में बिंदु की जो परिभाषा मानी गई है कि जिसमें न तो लंबाई हो और न चौड़ाई, उसे बिंदु माना गया है। यानी एक तरह से बिंदु काल्पनिक है, क्योंकि बिंदु की रेखागणितीय परिभाषा में कल्पना की गई है कि जिसमें लंबाई और चौड़ाई न हो, वह बिंदु है। इस मान्यता पर ही समूची रेखागणितीय अवधारणाएं अस्तित्व में आईं और मस्तिष्क में निराकार विचार-विमर्श या चिंतन परंपरा का उदय हुआ या इसे यों भी कहा जा सकता है कि मान कर सोचने-विचारने का एक विचार जन्मा। विचार कुछ भी, कहीं भी, कैसे भी अचानक और सोचने-समझने तथा समझाने के दौरान, चलते-फिरते, काम करते या शांत भाव से बैठे-ठाले भी आ सकता है। विचार बातचीत या मिलने-जुलने पर भी आ सकते हैं। कई बार बहुत सोचने पर भी विचार नहीं आते या आते हैं तो उनमें कोई सार नहीं होता। फिर भी मन-मस्तिष्क में विचार की अंतहीन हलचलों का सिलसिला जारी रहता है। विचार यात्रा में मनुष्य को यह विचार आया कि विचारों को अपने आप तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए विचारों को फैलाना चाहिए, इसी क्रम में प्रचार के विचार का जन्म हुआ। इस तरह हम मान सकते हैं कि प्रचार भी विचार का किसी निश्चित हेतु की दृष्टि से किया गया विस्तार ही है। विचार को प्रचारित करने के विचार ने मनुष्य समाज की चिंतन प्रक्रिया को ही बदल डाला है और आज के कालखंड में प्रचार को लेकर नए-नए प्रयोग करने का एक शास्त्र या मनुष्य के मन-मस्तिष्क को प्रचार तंत्र के माध्यम से अपने अधीन करने का प्रचार साम्राज्य तो स्थापित हो चुका है। आज सूचना प्रौद्योगिकी के काल खंड में मानव समाज में मौलिक विचार प्रक्रिया पर निर्भरता क्षीण होते जाने के साथ-साथ प्रचार की अंतहीन भूख बढ़ती ही जा रही है। यह सिलसिला सुनामी की तरह मनुष्य की विचार प्रक्रिया को कुंद कर रहा है।

प्रचार के कृत्रिम साम्राज्य के अधीन मानव सभ्यता और समाज के सोच विचार और आपसी व्यवहार में अत्यधिक महत्वपूर्ण बदलाव आते दिखाई देते हैं। विचार मनुष्य की प्राकृतिक शक्ति है, पर प्रचार के लिए अप्राकृतिक संसाधन और आर्थिक, राजनीतिक, व्यापारिक और तकनीकी संस्थानों की शक्तियों का सहयोग और एजेंडा चाहिए। अकेला मनुष्य अपने बलबूते विचार कर सकता है, पर प्रचार अकेले बिना संसाधनों के संभव नहीं है। आज की दुनिया को यह लगने लगा है कि बिना प्राकृतिक विचारों के भी हम जी सकते है, पर बिना प्रचार के हम कुछ भी नहीं कर सकते हैं। हमारी व्यक्तिगत और सामाजिक, राजनीतिक, व्यापारिक, धार्मिक और आध्यात्मिक या निजी और सार्वजनिक गतिविधियों को बिना प्रचार के सफलता के साथ संपन्न करना संभव नहीं है। यह चिंतन प्रक्रिया तेजी से फैलती हुई दिखाई पड़ती है और आधुनिक काल के मनुष्य अपनी वैचारिक तेजस्विता के बजाय आभासी प्रचार तंत्र को आसान जीवन का पर्याय मानने की दिशा पकड़ते दृष्टिगत हो रहे हैं। आज के कालखंड में प्राकृतिक जीवन शृंखला के बजाय आभासी अप्राकृतिक संसाधनों की बाढ़ मानव बसाहटों में मानव सभ्यता का आवश्यक हिस्सा बनती जा रही है। विचार-विमर्श सहित लेखन चिंतन और सृजनात्मक शक्तियों जैसे प्राकृतिक मानवीय गुण अब अप्राकृतिक संसाधनों या शक्तियों के विशेष अधिकार सामान्यत : बनते जा रहे हैं। हमारा समूचा मानव जीवन अप्राकृतिक विस्तार पर निर्भर होता जा रहा है। राज्य, समाज और बाजार तीनों मनुष्यों को सृजनात्मक शक्ति का वाहक बना कर चैतन्य नागरिकों का समाज खड़ा करने की दिशा में बढ़ने के बजाय यंत्र आधारित अप्राकृतिक प्रज्ञा आधारित मनुष्य सभ्यता की दिशा में बढ़ते हुए मानवीय सभ्यता की विविधता को विलुप्त करने की दिशा में अग्रसर होने को ही विकसित सभ्यता का पर्याय बनने की दिशा में लगातार बढ़ रहे हैं।

डिजिटल-क्रांति से ही नकली नोटों पर नियंत्रण संभव

आज भारत को सिर्फ बाहरी सीमाओं पर नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी एक युद्ध लड़ना पड़ रहा है, नकली मुद्रा के खिलाफ, भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ और राष्ट्रविरोधी मानसिकता के खिलाफ। इसमें विजय तभी संभव है, जब हम सब डिजिटल भारत के निर्माण में सहभागी बनें। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में जारी एक चौंकाने वाली रिपोर्ट ने न केवल अर्थव्यवस्था को, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा और नागरिकों की जागरूकता को भी झकझोर कर रख दिया है। आरबीआई के गवर्नर द्वारा संसदीय समिति में प्रस्तुत एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024-25 में 500 रुपये के लगभग 1.8 लाख नोट नकली पाए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक है। यह संख्या किसी सामान्य अपराध की नहीं, बल्कि राष्ट्र के विरुद्ध एक षड्यंत्र की कहानी कहती है। जो यह दर्शाता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। यह न केवल नकली मुद्रा के बढ़ते खतरे को रेखांकित करता है, बल्कि राष्ट्रविरोधी तंत्र की सुनियोजित साजिश का भी पर्दाफाश करता है। जबकि 2016 में नोटबंदी के ऐतिहासिक निर्णय के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया था कि भ्रष्टाचार, कालेधन और नकली नोटों के खिलाफ लड़ाई उनकी प्राथमिकताओं में है। नोटबंदी केवल एक आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव रखने वाला साहसी एवं युगांतरकारी कदम था। आज भारत को सिर्फ बाहरी सीमाओं पर नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी एक युद्ध लड़ना पड़ रहा है, नकली मुद्रा के खिलाफ, भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ और राष्ट्रविरोधी मानसिकता के खिलाफ। इसमें विजय तभी संभव है, जब हम सब डिजिटल भारत के निर्माण में सहभागी बनें। नकली मुद्रा का मुद्दा केवल एक आर्थिक अपराध नहीं है। यह एक प्रकार का आर्थिक आतंकवाद है, जिसका उद्देश्य भारत की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करना, महंगाई को बढ़ाना, काले धन को बढ़ावा देना और आतंकवाद को वित्त पोषण देना है। ये नकली नोट अधिकतर सीमापार से संचालित तंत्रों द्वारा भारत में भेजे जाते हैं, जो भारत की राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक विकास और आंतरिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। इस तरह राष्ट्र के विरुद्ध षड्यंत्र, साजिश एवं बड़े खतरों को अंजाम दिया जा रहा है। क्योंकि नकली नोट बाजार में असली नोटों के साथ मिलकर मुद्रा व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। आम नागरिक अनजाने में इन्हें ले लेता है और आर्थिक नुकसान उठाता है। यह काले धन और आतंकवाद को पोषित करता है। नकली नोट सरकारी योजनाओं की निष्पक्षता और वितरण प्रणाली को भी प्रभावित करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की डिजिटल क्रांति न केवल नकली नोटों को नियंत्रित करने का बल्कि राष्ट्र-विरोधी तत्वों को नेस्तनाबूद करने का सशक्त माध्यम है। यह मोदी की दूरदृष्टि एवं नये भारत-विकसित भारत के विजन की विजय है, उनके ही विचारों में डिजिटल लेन-देन केवल तकनीक नहीं, यह राष्ट्र निर्माण का माध्यम है। आज के भारत की अर्थव्यवस्था एक निर्णायक दौर से गुजर रही है। डिजिटल ग्राम योजना, ई-गवर्नेंस, डिजिटल साक्षरता अभियान यानी तकनीक को गांव और गरीब तक पहुँचाने की पहल है। वहीं दूसरी ओर नकली नोटों की बाढ़ एक अदृश्य आतंकवाद बनकर देश की अर्थव्यवस्था, समाज और सुरक्षा को चुनौती दे रही है। निस्संदेह, हाल के वर्षों में, भारत ने नकली नोटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने व काले धन पर रोक के लिये डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिये अपनी स्थिति खासी मजबूत की है।

आज का राशिफल

मेष — वृषभ — मिथुन — कर्क — सिंह — कन्या — तुला — वृश्चिक — धनु — मकर — कुंभ — मीन

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5661

5	4	2	6			9	7	3
				4			8	
	1	3	9					
						5		
	3		2	1	4		9	
		4						
					9	1	6	
	5			7				
1	7	9			2	4	3	5

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5660

9	5	2	1	3	4	8	6	7
3	1	7	5	6	8	2	9	4
4	6	8	7	9	2	5	3	1
2	8	5	6	7	1	9	4	3
1	3	4	8	5	9	7	2	6
7	9	6	2	4	3	1	8	5
6	2	1	4	8	5	3	7	9
5	4	9	3	2	7	6	1	8
8	7	3	9	1	6	4	5	2

वर्ग पहेली 5661

संकेत: बाएं से दाएं

1. 2002 में इस देश में [illegible] 14 में [illegible] (3)
4. उत्तरप्रदेश का गंगातट पर बसा एक शहर (4)
7. [illegible] (4)
9. [illegible] का डंडा (2)
10. [illegible] प्रसिद्ध रही है ये अभिनेत्री (5)
12. पंचतत्वों में से एक, आग, नीर (2)
14. कमल, कुमुद [illegible] (2)
16. [illegible] (3)
18. एक [illegible] वाद्य, मृदंग (4)
21. [illegible] (3)
22. [illegible] (3)
23. [illegible] (2)
24. इस समय, इस वक्त (2)
26. भूमि आदि पर लगने वाला कर, भूकर (3)
27. जिसकी सभी [illegible] समान हों (4)

ऊपर से नीचे

1. भूतकाल, वर्तमान और भविष्यकाल में, इस फिल्म में कपूर परिवार की तीनों पीढ़ियों (पृथ्वीराजकपूर, राज कपूर व रणधीर कपूर) ने एक साथ अभिनय किया (6)
2. नीचे वाला भाग, [illegible] (2)
3. [illegible] (3)
5. [illegible] (3)
6. पूजा करने वाला (3)
8. [illegible] नहीं (3)
11. किसी विश्वविद्यालय का सर्वोच्च अधिकारी (4)
13. [illegible] (2)
15. [illegible] (2)
17. [illegible] (4)
19. [illegible] (2)
20. [illegible] (4)
25. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5660 का हल

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	
[illegible]	[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]
	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]		[illegible]		[illegible]	[illegible]		[illegible]
[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	

विधायक जैन की अनुशंसा से 81.50 लाख की राशि से होंगे अनेक विकास कार्य

मंदसौर, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। विकासवादी सोच के धनी लोकप्रिय विधायक श्री विपिन जैन ने मंदसौर विधानसभा की विभिन्न कार्यों हेतु विधायक निधि से 81.50 लाख रु. राशि की अनुशंसा की है। इन कार्यों की शुरुआत शीघ्र ही होगी। विधायक श्री जैन द्वारा विधानसभा में विकास को गति प्रदान करने के लिये की गई अनुशंसा के लिये क्षेत्र के नगरवासियों, ग्रामवासियों, सरपंचों व सचिवों द्वारा विधायक को धन्यवाद प्रेषित किया है।

मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड ने बताया कि विधायक श्री विपिन जैन द्वारा प्रथम चरण में मंदसौर विधानसभा की विभिन्न ग्राम पंचायतो, वार्डों में विकास कार्य हेतु 81.50 लाख रुपए की राशि की अनुशंसा कर दी गई है जिसके अंतर्गत सरसोद में 2.50 लाख की लागत से टीन शेड, ग्राम मुल्तानपुरा अ.जा. बस्ती में 3.50 लाख की लागत से टीन शेड निर्माण, ग्राम खिलचीपुरा स्थित छुटरुं क्षेत्र में 5 लाख का शेड निर्माण, राजपूत समाज पद्मावती गर्ल्स हॉस्टल मंदसौर में बाउंड्री वॉल निर्माण हेतु 5 लाख, रोशन कॉलोनी मंदसौर में सीसी रोड हेतु 9 लाख, जवासिया गांव में पाटीदार धर्मशाला के पास पेवर ब्लॉक निर्माण हेतु 5 लाख, बेहपुर गांव में आदिवासी धर्मशाला के पास सीसी निर्माण कार्य हेतु 4 लाख, भावसार धर्मशाला मन्दसौर में पेवर ब्लॉक हेतु 3.50 लाख, साबाखेड़ा गांव में गांधी उद्यान के पास 3 लाख की लागत से टीन शेड, दलोदा सगरा गांव में मालवीय धर्मशाला के पास 2.50 लाख का टीन शेड, ग्राम ढिकोला में गुर्जर समाज मांगलिक भवन के पास सीसी छत हेतु 5 लाख, ग्राम अमलावद में ब्राह्मण धर्मशाला के पास टिन शेड हेतु 3 लाख, ग्राम निम्बोद में माताजी मंदिर प्रांगण के पास टीन शेड हेतु 3 लाख, दौलतपुरा स्थित मालवी जीनगर समाज धर्मशाला मांगलिक भवन हेतु 10 लाख, रलायता गांव में भांभी धर्मशाला के पास टीन शेड हेतु 2.50 लाख, ग्राम गुराडियाशाह में टीन शेड हेतु 5 लाख, ग्राम अरनिया निजामुद्दीन में टीन शेड हेतु 3 लाख और ग्राम गुराडिया शाह, फतेहगढ़, टोलखेड़ी, चांदाखेड़ी में प्रकाश व्यवस्था हेतु हाई मास्ट हेतु 7.50 लाख रुपय की स्वीकृतियां प्रदान की गई है। उक्त अनुशंसा के पत्र विधायक विपिन जैन द्वारा जारी कर दिए गए है। शीघ्र ही स्वीकृत राशि से निर्माण कार्य प्रारंभ किए जाएंगे। राशि स्वीकृत करने पर लाभान्वित ग्राम पंचायतों, वार्डों में स्थानीय वासियों व कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है। श्री लाड ने बताया कि गांवों में टीन शेड एवं धर्मशाला निर्माण को गति प्रदान करने में विधायक श्री जैन द्वारा दिये सहयोग से ग्रामीणों को आश्रय और सामाजिक समरसता हेतु सुविधाएँ मिलेंगी। वहीं नगर की रोशन कॉलोनी में सीसी रोड निर्माण से आवागमन सुगम होगा। हॉस्टल और हाई-मास्ट प्रकाश व्यवस्था से शिक्षा व सुरक्षा में वृद्धि होगी। विधायक श्री जैन मंदसौर विधानसभा के विकास को लेकर निरंतर प्रयासरत है।

जिले में अब तक 290.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज

मंदसौर, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले में इस वर्ष अब तक औसतन 290.8 मि.मी. वर्षा दर्ज की गयी है। जब कि पिछले 24 घन्टों में मंदसौर जिले में 21.8 मिमी वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है। पिछले 24 घन्टों में मंदसौर में 2.0 मि.मी., सीतामऊमें 0 मि.मी., सुवासरा में 3.0 मि.मी., गरोठ में 18.4 मि.मी., भानपुरा में 183.8 मि.मी., मल्हारगढ़ में 5.0 मि.मी., धुंधड़का में 0 मि.मी., शामगढ़ में 11.6 मि.मी., संजीत में 10.0 मि.मी., कयामपुर में 6.0 मि.मी. एवं भावगढ़ में 0 मि.मी वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है। विगत 1 जून से अब तक वर्षा मापक केन्द्र मंदसौर में 354.0 मि.मी., सीतामऊमें 175.4 मि.मी. सुवासरा में 167.6 मि.मी., गरोठ में 244.8 मि.मी., भानपुरा में 886.4 मि.मी., मल्हारगढ़ में 120.0 मि.मी., धुंधड़का में 222.0 मि.मी., शामगढ़ में 273.2 मि.मी., संजीत में 216.0 मि.मी., कयामपुर में 166.9 मि.मी. एवं भावगढ़ में 373.0 वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है। गांधीसागर बांध का जल स्तर अब तक 1289.75 फीट है।

उच्च न्यायालय द्वारा पेंशनर के पक्ष में फैसला

मंदसौर, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. शासन द्वारा शासकीय पेंशनर को 80 वर्ष की उम्र होने पर 20 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन तथा 85 वर्ष होने पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन देने का प्रावधान है परंतु म.प्र. शासन इस आदेश के तहत पेंशनर की उम्र 80 व 85 वर्ष पूर्ण होने पर ही अतिरिक्त पेंशन का लाभ दिया जाता है जबकि 80 व 85 वर्ष की उम्र प्रारम्भ होने पर अतिरिक्त पेंशन का लाभ दिया जाना चाहिए।

भारत पेंशनर समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री कैलाशचंद्र पाण्डे (राजस्व विभाग) द्वारा माननीय उच्च न्यायालय इंदौर में अपील प्रस्तुत की। भारत पेंशनर समाज के जिलाध्यक्ष पं. गोपालकृष्ण शर्मा, एडवोकेट एवं श्री कन्हैयालाल भावसार, एडवोकेट ने म.प्र. शासन को इस सम्बन्ध में नोटिस जारी किये थे। उच्च न्यायालय के एडवोकेट श्री हार्दिक माहेश्वरी व श्री कुशाग्र जैन द्वारा श्री कैलाशचंद्र पाण्डे की ओर से पैरवी की। माननीय उच्च न्यायालय ने रिट पिटीशन नम्बर 26807/2025/14 जुलाई 2025 के द्वारा अपने निर्णय में उल्लेख किया है कि पूर्व में श्री ओमप्रकाश सक्सेना के प्रकरण में माननीय न्यायालय द्वारा दिये निर्देश अनुसार म.प्र. शासन ने 80 वर्ष व 85 वर्ष उम्र प्रारम्भ होने पर अतिरिक्त पेंशन प्रदान करने का आदेश पारित किया है, तद्नुसार श्री कैलाशचंद्र पाण्डे को भी 80 वर्ष प्रारंभ दिनांक 08/02/2019 एवं 85 वर्ष प्रारम्भ दिनांक 08/02/2024 से अतिरिक्त पेंशन का लाभ दिया जावे। भारत पेंशनर समाज के जिलाध्यक्ष पं. गोपालकृष्ण शर्मा ने बताया कि पूर्व में भी संगठन के संरक्षक श्री ऋषभ कोठारी के पक्ष में इसी सम्बन्ध में माननीय उच्च न्यायालय, इंदौर द्वारा निर्णय दिया परन्तु म.प्र. शासन के द्वारा आदेश का पालन न करने से अवमानना याचिका माननीय उच्च न्यायालय, इंदौर में प्रस्तुत कर दी गई है। श्री गोपालकृष्ण शर्मा ने बताया कि म.प्र. शासन का पेंशनर विरोधी रवैया अन्यायपूर्ण है। माननीय न्यायालय की शरण लेना पड़ती है उसके बाद भी प्रशासन के अधिकारी लोटाफेरी करते है। 30 जून व 31 दिसम्बर को रिटायर होने वाले पेंशनर को भी एक वेतनवृद्धि का लाभ लेने हेतु न्यायालय की शरण लेना पड़ती है जो पेंशनर न्यायालय में वाद दायर करते है केवल उसी पेंशनर को लाभ मिल पाता है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय की फटकार के बाद म.प्र. शासन ने 30 जून व 31 दिसम्बर को रिटायर होने वाले सभी पेंशनर को एक वेतनवृद्धि का लाभ देने का आदेश जारी करना पड़ा। म.प्र. के मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव से अपेक्षा है कि पेंशनरों के प्रति अन्यायपूर्ण हठधर्मी रवैया त्याग कर पेंशनरों के हित में निर्णय लें।

स्वच्छता संरक्षण में नप नगरी को प्रथम स्थान प्राप्त

नगरी, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नगर परिषद नगरी जिला मंदसौर को स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में 20 हजार तक की जनसंख्या वाले शहरों में राष्ट्रीय स्तर पर 9 वीं रैंक लगी, प्रदेश स्तर पर दूसरा स्थान एवं मंदसौर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया साथ ही स्टार रेटिंग में 1 स्टार प्राप्त हुआ एवं ODF++ घोषित हुआ।

जिसमें नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती संगीता घनश्याम बग्गड, उपाध्यक्ष श्री घनश्याम अटोलिया, अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री घनश्याम बग्गड, स्वच्छता सभापति श्रीमती राजू मुकेश चचावद, समस्त पार्षद गण, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री धरम चंद जैन, सब इंजीनियर श्री अतुल डामोर, दरोगा श्री शांतिलाल हंस, स्वच्छता एन जी ओ संचालक श्री राजेंद्र सिंह राजपूत एवं श्री शुभम मिश्रा के अथक प्रयासों से पी आई यू डॉ हिमांशु शुक्ला एवं संयुक्त संचालक महोदय श्री राजीव निगम उज्जैन के मार्गदर्शन से नगर परिषद नगरी को राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय रैंक प्राप्त करने में सहयोग प्राप्त हुआ। नगर परिषद अध्यक्ष द्वारा यह सफलता हासिल होने पर नगर की जनता को बधाई एवं आभार व्यक्त किया गया।

स्वास्थ्य विभाग का मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता शिविर सम्पन्न

मंदसौर, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज मंदसौर में उमंग हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य एवं स्क्रीनिंग हेतु नि:शुल्क शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में जिला आरबीएसके कोऑर्डिनेटर श्री सुरेश मुवेल द्वारा 'उमंग' कार्यक्रम की भूमिका, उद्देश्य एवं इसके अंतर्गत संचालित उमंग क्लीनिक और परामर्श सेवाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से यह पहल मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को युवाओं तक पहुँचाने में सहायक सिद्ध हो रही है।

सुदंरलाल पटवा शासकीय मेडिकल कॉलेज, मंदसौर के मानसिक रोग विशेषज्ञ एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निशांत पटेल ने छात्रों और शिक्षकों को अवसाद (डिप्रेशन), चिंता विकार (एंजायटी) और 'बाइपोलर डिसऑर्डर जैसे प्रमुख मानसिक रोगों के लक्षण, कारण और बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने जिला चिकित्सालय स्थित 'मनकक्ष' में उपलब्ध नि:शुल्क परामर्श और उपचार सेवाओं की भी जानकारी दी। उमंग काउंसलर श्री आदि हुसैन ने उमंग हेल्पलाइन, टेली-मानस (247) सेवा और 'मनहित ऐप' के बारे में बताया गया। उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को ऐप डाउनलोड करने और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जे एस दुबे द्वारा बताया कि किस प्रकार मानसिक रोग कभी-कभी व्यक्ति को इस हद तक प्रभावित करते हैं कि वह स्वयं पर नियंत्रण खो बैठता है। उन्होंने नेशनल हेल्थ मिशन का आभार व्यक्त किया, जिसकी सहायता से यह कार्यक्रम विद्यार्थियों तक पहुँच सका और उन्हें विशेषज्ञों से खुलकर चर्चा करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में मनकक्ष टीम डॉ रिषिकेश्वर त्रिवेदी क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट और प्रशिक्षित नर्सिंग ऑफिसर चैन कुंवर चौहान और 90 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के श्री राजू कुमार उमंग हैल्थ एण्ड वेलनेस नोडल अधिकारी द्वारा किया गया।

दलौदा महाविद्यालय में प्रवेश के लिए सीएलसी राउंड में विद्यार्थियों में बढ़ा रुझान, 30 तक होंगे प्रवेश

दलौदा, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय में बी ए, बी कॉम, बी एस सी में सत्र 2025-26 में प्रवेश का उड्उ चरण निरंतर चल रहा है। विद्यार्थियो द्वारा पंजीयन के पश्चात महाविद्यालय चयन की प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से की जा रही है। जिसके पश्चात महाविद्यालय आबंटन हो रहा है। महाविद्यालय में प्रवेश संबंधी जानकारी प्रवेश प्रभारी डॉ. नोंदराम मालवीय एवं प्रवेश समिति संयोजक डॉ जसवंत कुमार कारपेंटर के माध्यम से जानकारी दी जा रही है।

ज्ञातव्य है कि प्रवेश के दो चरण पूर्ण हो चुके है। पोर्टल पर आ रही प्रवेश संबंधी परेशानियों के निराकरण हेतु महाविद्यालय प्रवेश प्रभारी डॉ नोंदराम मालवीय ने जनभागीदारी अध्यक्ष हेमंत धनोतिया को अवगत कराया था। जिस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए श्री धनोतिया ने आयुक्तालय के प्रवेश शाखा के अधिकारी को पत्र लिखकर समस्या के समाधान तथा प्रवेश पोर्टल का सरलीकरण करने के लिए निवेदन भी किया था। पूर्व में भी परीक्षा केंद्र के संबंध में श्री धनोतिया के अथक प्रयासों से महाविद्यालय को विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन की वार्षिक परीक्षा का केंद्र घोषित हुआ था। जिससे अध्ययनरत विद्यार्थियो को 20 किमी मंदसौर पीजी कॉलेज नहीं जाना पड़ा। गत वर्ष परीक्षा केंद्र घोषित होने से दलौदा नगर के आस पास के अंचल से विद्यार्थियो को इस सुविधा का विशेष लाभ मिला। श्री हेमंत धनोतिया ने प्रवेश से वंचित विद्यार्थियो से आग्रह करते हुए कहा है कि महाविद्यालय में बी ए, बी कॉम और बी एस सी सभी संकायों में प्रवेश हेतु पर्याप्त सीट उपलब्ध है। विद्यार्थी किसी भी प्रकार की प्रवेश से संबंधित समस्या के समाधान हेतु महाविद्यालय में संपर्क कर सकता है। प्रवेश 30 जुलाई 2025 तक होंगे।

न्यायालय भ्रमण के माध्यम से बच्चों में विधिक जागरुकता का संचार

नीमच, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीमच के अध्यपक्ष श्री वीरेंद्र सिह राजपूत के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीमच द्वारा विधिक साक्षरता अभियान के तहत बच्चों को न्योयिक प्रक्रिया से परिचित कराने के उद्देश्य से बांछड़ा समुदाय के ग्राम नीलकंठपुरा के 23 बच्चों का शैक्षणिक भ्रमण जिला न्यायालय परिसर, नीमच में आयोजित किया गया। यह भ्रमण जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती शोभना मीणा द्वारा ग्राम नीलकंठपुरा में आयोजित विधिक साक्षरता शिविर में किए गए वादे की पूर्ति के रूप में संपन्न हुआ।

जिला विधिक सहायकता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार ने उक्त जानकारी देते हुए बताया, कि इस शैक्षणिक भ्रमण में बच्चों को विशेष न्यायाधीश, एनडीपीएस एक्ट श्री जितेन्द्र कुमार बाजोलिया के न्यायालय में मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित प्रकरण की न्यायिक कार्यवाही को प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर मिला। बच्चों ने विशेष न्यायाधीश, पॉक्सो एक्ट श्रीमती रश्मि मिश्रा के न्यायालय में लैंगिक अपराधों से संबंधित सुनवाई प्रक्रिया को भी देखा। इस कार्यक्रम में न्यायालय परिसर स्थित कॉन्फ्रेंस कक्ष में बच्चों को 'गुड टच और बैड टच' विषय पर आधारित शॉर्ट फिल्म दिखाई और उन्हें पॉक्सो अधिनियम के बारे में जानकारी दी। साथ ही, भारत के उच्चतम न्यायालय तथा मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की संरचना एवं कार्यप्रणाली से संबंधित शैक्षणिक वीडियो भी बच्चों को दिखाए गए। इस अवसर पर ग्राम नीलकंठपुरा के सरपंच श्री देवकिशन ,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती लक्ष्मी एवं छात्र-छात्राए उपस्थित थे।

द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर से कल निकलेगी कावड़ यात्रा

मंदसौर, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। स्नेह नगर में विराजमान द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर समिति महिला भक्त मित्र मंडल द्वारा 20 जुलाई रविवार को लगातार तीसरे वर्ष कावड यात्रा बड़े ही धूमधाम, ढोल ढमाको, डीजे के साथ निकाली जाएगी। जिसमें शामिल सभी शिव भक्त कावड़ियों एक जैसी ड्रेस में कावड को लेकर भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव को जलाभिषेक के लिए जल अर्पण हेतु स्नेह नगर से पशुपतिनाथ मंदिर पहुंचेगी। यह कावड़ यात्रा प्रात: 9 बजे से प्रारंभ होगी जो नगर में भ्रमण करती हुई दोप. 12.30 बजे मन्दिर परिसर में पहुंचेगी। कावड़ यात्रा का उद्देश्य हे कि नगर शहर देशवासियों की जनता सुखी स्वस्थ रहे और मंदसौर में इस वर्ष अच्छी बारिश होवे ऐसी मंगल कामना के लिए महादेव से विनती की जावेगी।

कावड़ यात्रा का रूट निम्न होगा–कावड़ा यात्रा मंदिर प्रांगण से 9 बजे प्रारंभ होगी जो आशुतोष महादेव बालाजी मंदिर होकर नारायण नगर के अमलेश्वराय मंदिर होते हुवे कैलाश चंद्र गुप्ता स्नेह नगर कार्नर पर 10 बजे पहुंचेगी वहा से अंदर होकर सूर्यांश परिसर मुख्य गेट होते हुवे इंदिरा कालोनी की तीसरी गली से पद्मावती रिसॉर्ट जैन कालोनी दशरथ नगर, बैंक ऑफ इंडिया चौराहे पर विधायक महोदय के कार्यालय के सामने 11 बजे पर होते हुवे मुख्य डाकघर रोड से बीपीएल चौराहा, गांधी चौराहा, नेहरू बस स्टेंड, घंटाघर 12 बजे पहुंचेगी, सदर बाजार रोड से प्रतापगढ़ पुलिया, शिवना नदी, ब्रिज से मंदिर परिसर 12.30 बजे पहुंचेगी भगवान महादेव के दर्शन पश्चात यात्रा का समापन। यह जानकारी महिला भक्त मित्र मंडल समिति ने देते हुए अपील कर निवेदन किया कि कावड यात्रा में पधारकर कावड़ यात्रा की शोभा बढ़ावे।

भागलबुजुर्ग में किसान मदन लाल को दिलाया कब्जा

नीमच, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर, नीमच श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में निजी कृषकों की भूमियों पर अन्य काश्तकारों द्वारा किये गये कब्जे को मुक्त करवाने के निर्देशों के क्रम में अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व, मनासा श्री पवन बारिया के मार्गदर्शन में नायब तहसीलवार, कुकडेश्वर श्री नवीन छत्रोले द्वारा न्यायालयीन प्रकरण में गठित दल द्वारा ग्राम-भागलबुजुर्ग स्थित भूमि सर्वे नम्बर-55 रकबा 0.800 हेक्टर पर सीमांकन कर, रकबा 0.48 हेक्टर भूमि पर आशाराम, राधेश्याम पिता नन्दा मेघवाल, गुजरत तथा रकबा 0.320 हेक्टर भूमि पर बापूलाल पिता तुलसीराम भील द्वारा किये गये, अवैध कब्जे को मुक्त करवाया गया है। कब्जो मुक्त करवाई गई कुल 0.80 हेक्टैयर जमीन कृषक मदनलाल पिता हजारी बंजारा आदि, निवासी-भागल, हा.मु.बंजारों की जलेरी, तहसील-बिजोलिया, जिला-भीलवाड़ा को सौंपी गई हैं। यह कार्य नायब तहसीलदार श्री नवीन छलोत्रे के निर्देशन में गठित दल श्री रामदयाल शर्मा, प्रभारी राजस्व निरीक्षक, वृत्त-कुकडेश्वीर, पटवारीगण सर्वश्री दीपक बसेर, प्रवीण कुमावत, अजय बघेल, सुश्री सोम्या खरे ने किया हैं।

अच्छी बारिश व अमन शांति हेतु गुजराती सेन समाज ने किया श्री हनुमान पाठ

मंदसौर, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिला एवम नगर में अच्छी बारिश और अमन शांति हेतु गुजराती सेन समाज द्वारा श्री कृष्णानन्द सेन छात्रावास भूमि स्थल पर श्री महेश गेहलोद द्वारा श्री हनुमान का पाठ किया गया। सेन समाज के जिला युवा अध्यक्ष संजय चौहान एवं मंदसौर नगर युवा अध्यक्ष राजेश सेन सम्राट के आव्हान पर आयोजित इस भव्य धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित हुए तथा सभी ने हनुमान पाठ में सहभागिता कर धर्मलाभ लिया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी श्यामलाल राठौर, रामचन्द्र परिहार, अनिल वप्ता, प्रहलाद पंवार (बंटू भैया), राजाराम चौहान, ब्रजेश टांक, डॉ. राजेश बोराना, अर्जुनसेन राठौर (छोटू भैया), अंतिम देवड़ा, मनीष राठौर (मोनु भैया), जगदीश परमार, अनिल परिहार, अशोक परमार, विजय जागीरदार, प्रकाश चौहान (टाईगर), अमरचंद राठौर, भंवरलाल सेन सहित बड़ी संख्या में सेन बन्धु उपस्थित रहे।

एससी वर्ग की महिलाएं 2 लाख रुपए के ऋण का लाभ उठाएं

मंदसौर, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति के कार्यपालन अधिकारी द्वारा बताया गया कि सावित्रीबाई फूले स्वसहायता समूह योजना में अनुसूचित जाति वर्ग की महिला सदस्य का 5 या 10 महिला का समूह बनाकर बैकों के माध्यम से स्वीकृत किया जायेगा। जिसमें ऋण राशि प्रति महिला सदस्य अधिकतम 2 लाख रूपये, जिसमें प्रति महिला सदस्य 10 हजार रूपये शासन द्वारा अनुदान राशि देय होगा। जिले की बी.पी.एल/राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन पात्रता पर्ची धारी अनुसूचित जाति की महिलाओं से आवेदन पत्र आंमत्रित किये जाते है, योजना सम्पूर्ण राजस्व जिले में संचालित है। इच्छुक आवेदक कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त कर आवेदन कर सकते है। विस्तृत जानकारी के लिये कार्यालय जिला अंत्यवसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित, 9 मीरा अमर, रिक्रिएशन ग्राउंड, संजय गांधी उद्यान के पास, मन्दसौर तथा दुरभाष नंबर 07422-241558 एवं मो. 95845 25557 पर भी सम्पर्क कर सकते है।

शालेय तहसील स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ

मंदसौर, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर विकासखंड में शालेय तहसील स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ जिसमें मुख्य अतिथि सहायक संचालक एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी आनंद डाबर, शासकीय उ मा वि क्रमांक 2 के प्राचार्य डॉ. विजय सिंह पुरावत, तहसील स्तरीय खेल प्रतियोगिता के प्राचार्य बाबूलाल जोशी, जिला कीडा अधिकारी बी.एल. बारीवाल, विकासखंड प्रभारी महेंद्र शुक्ला, की उपस्थिति में प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता में मंदसौर तहसील से 20 विद्यालय के 120 प्रतिभागियों ने 14 वर्षीय, 17 वर्षीय एवं 19 वर्षीय बालक बालिका ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता को संपन्न करने के लिए विभिन्न विद्यालय से निर्णायक के रूप में वरिष्ठखेल प्रशिक्षक महेंद्र शुक्ला, रघुवीर मालवीय, सचिन काले, टूप कमांडर जितेन्द्र कनौजिया, राहुल सैनी, रिंकू शुक्ला, नवीन खोखर, आदि ने निर्णायक की भूमिका अदा की एवं कार्यालयइन कार्य में रामेश्वर खचरानियां, दिनेश परमार, गोरीशंकर जड़िया, उपस्थित रहे। उक्त जानकारी विकासखंड खेल प्रभारी महेंद्र शुक्ला ने दी।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	26	2120	2407
उडद	5	4680	6000
सोयाबीन	4915	3500	4350
गैहु	5705	2500	2920
चना	291	5500	5920
मसुर	181	6100	7201
धनिया	131	5100	7332
लहसुन	16000	2800	8800
मैथी	513	3500	5550
मुंगफली	580	4201	5355
अलसी	1283	6851	7321
सरसो	333	6581	7187
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	48	7800	11200
प्याज	4000	360	1250
कलोंजी	12	17400	20299
तुलसी बीज	22	10500	12800
डॉलर	42	6500	9712
तिल्ली	267	6500	9291
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	000	0000	0000
असालीया	8	5758	6550
चियाबीज	50	12100	17300

उज्जैनी रविवार को हो, एक विनम्र आग्रह

मनासा, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आज से 10-15 वर्ष पहले तक बहुत लंबे अरसे तक बरसात नही होती थी तो खेड़ा देवता या ग्राम देवता को प्रसन्न कर इन्द्रदेव को मनाने के लिये नगर पटेल द्वारा उज्जैनी की घोषणा की जाती थी, जिसमे सभी ग्रामवासी नगर से बाहर अपने खेत-कुओं पर या नगर के पास अन्य मंदिर, नदी, सरोवर के किनारे भोजन बना कर खेड़ा देवता का पूजन कर भोग लगा कर अच्छी बरसात की प्रार्थना करते थे। यह परंपरा सैकड़ों वर्ष पूर्व जब शुरू हुई होगी तब गांवों कस्बों की अधिकांश जनता कृषि पर ही निर्भर थी। सरकारी कार्यालय एवं कर्मचारियों, विद्यालयों और विद्यार्थियों की संख्या सीमित थी। मनासा मे भी 7-8 दशक पहले 2-3 विद्यालयों मे कोई 200 विद्यार्थि ही थे और अनुपस्थिति भी सामान्य बात थी।

आज से 10-15 वर्ष पहले तक बरसात की लंबी खेंच होने पर ही 2-4 सालों मे कभी उज्जैनी की घोषणा होती थी, नगर पटेल द्वारा कुछ निश्चित स्थानों, घांस बावजी, भेरूजी, का पूजन किया जाता था जो अब भी किया जाता है, बाकी जनता अपनी सुविधानुसार बाहर जाकर इस विधि को पूरा करती थी। अब तक कोई विवाद नही था, नगर पटेल द्वारा घोषित दिन सर्वमान्य होता था, किन्तु करीब 25 वर्ष पूर्व नगर पटेल द्वारा रविवार के दिन की उज्जैनी घोषित की गई, 3-4 दिन तो कोई बात नहीं हुई लेकिन किसी गलतफहमी के कारण शनिवार की रात को खेती किसानी वाले कई बंधु बाजार मे इकट्ठा हो गये और कहने लगे कि उज्जैनी रविवार को नही होकर अन्य दिन होगी, उज्जैनी रविवार का अर्थ बरसात सिर्फ किसानों की ही गरज है क्या ? व्यापरियों को बरसात नही चाहिये क्या जो बाजार बंद नही रख सकते ? आदि। व्यापारी संघ से हमने, स्व. सत्यनारायण तोष्नीवाल, अशोक मालपानी, प्रकाश झंवर, मैं बृजमोहन समदानी, स्व. रामेश्वरलाल मारु आदि ने समझाने की कोशिश की और यह तय हुआ कि अगली बार से सभी मिलकर निर्णय लेंगे, लेकिन हर बार कुछ लोग यह तर्क देतें है कि क्या बरसात व्यापरियों को नही चाहिये जो बाजार बन्द नही करते ? और रविवार के बजाय कार्यकारी दिवस को उज्जैनी की घोषणा होने लगी। पिछले वर्ष भी बड़े मंदिर पर उज्जैनी का निर्णय लिया, मैं पहुँचा तब तक निर्णय हो चुका था। मैंने तर्क दिये तो नगर पटेल एवं उपस्थित किसान बंधुओं को उचित लगे और कुछ ने कहा कि आपकी बात सही है पर इस बार तो निर्णय हो गया अगली बार विचार करेंगे। कोई विवाद तो नही हुआ पर कार्यकारी दिवस होने से कई परिवार उज्जैनी मनाने नगर से बाहर नही जा सके।

पिछले वर्ष व्यापारी संघ की वार्षिक सभा मे भी आमंत्रित श्री दिनेश राठौर द्वारा इस विषय पर चर्चा चाही थी। कुछ वर्षों सें बरसात कम हो या ज्यादा उज्जैनी हर साल की जा रही है बरसात कम हो तो देवता को प्रसन्न कर अच्छी बरसात के लिये कृपा की आकांक्षा करते है और यदि अच्छी बरसात हो तो देवता के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिये उज्जैनी करना भी तर्कपूर्ण है। अब हम इसके उद्देश्य की पूर्णता के लिये बात करें ताकि किसी को कार्य दिवस के कारण उज्जैनी मनाने से वंचित न होना पड़े। आज मनासा मे करीब 5000 विद्यार्थि अध्ययनरत है, और करीब 400 शिक्षक होंगे, वकील, सरकारी कार्यालयों, नगर पंचायत, मंडी, कोर्ट, तहसील, अस्पताल, बैंक एवं अन्य विभागों से जुड़े हुए करीब 800-900 लोग तो होंगे ही, और कार्यकारी दिवस होने से सैकड़ों लोगों की न्यायालय, तहसील मे पेशी हो सकती है, तो वो भी नही आ पायेंगे, हर परिवार चाहे किसान हो, मजदूर या व्यापारी उनके बच्चे विद्यालय मे होने से बच्चे और उनके साथ परिवार वाले भी नही जा पायेंगे और आज किसान और व्यापारी का फर्क़ ही कहाँ है, आज लगभग हर जाति के लोगों की दुकाने है, कारोबार है और अधिकांश व्यापरियों के पास खेती है तो किसान और व्यापारी का कोई भेद भी बेमानी है। क्यों नही हम अपने पूर्वाग्रहों को छोड़कर ऊपर वर्णित तर्कसंगत बातों का ध्यान रखकर आगे से उज्जैनी रविवार को ही घोषित करने का आग्रह नगर पटेल से करें जिससे स्वैच्छिक रूप से सभी ग्रामवासी भावपूर्ण उज्जैनी कर देव को प्रसन्न कर स्वयं भी लाभान्वित हो सकें और समग्र ग्रामवासियों के पूजन अर्चन, आराधन से देव भी प्रसन्न होकर कृपावन्त हो और उज्जैनी का उद्देश्य पूरा हो सके। अत: जब भी भविष्य मे उज्जैनी की घोषणा की जाए तो रविवार को हो यह मेरा विनम्र आग्रह है।

–बृजमोहन समदानी, मनासा

कार्यालय नगर पालिका परिषद् मन्दसौर (म.प्र)

क्रमांक-1955/नामांतरण/2025

नामातंरण विज्ञप्ति

मन्दसौर दिनांक-18.07.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय को निम्नलिखित भवनों/ भूमियों पर नामातंरण हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हुए है। जिस किसी को इन आवेदनो पर आपत्ति हो तो उक्त विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर आपत्ति मय ठोस दस्तावेज के साथ प्रस्तुत कर सकते है। समयावधि के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा तथा नियमानुसार नामातंरण की कार्यवाही की जावेगी। सूचित हो।

क्र.	प्रकरण क्र.	मोहल्ला	वार्ड नं.	प्लाट/ मकान नं.	नगर पालिका रिकार्ड में दर्ज नाम	अंतरण कराने वाले का नाम	किसके हक में अंतरण होगा	माध्यम/ आधार
1	1031x7/2025	एलएन बसेर सिटी	4	प्लांट नं. 102	सुरेन्द्र पिता लक्ष्मीनारायण बसेर	सुरेन्द्र पिता लक्ष्मीनारायण बसेर	आरती पिता देवीलाल शर्मा पति भूपेन्द्रकुमार सुथार	विक्रय पत्र
2	1032x7/2025	श्री सांई विहार एक्स.	4	प्लांट एफ73	रीना पति आशीष जैन	रीना पति आशीष जैन	विद्या पति राजकिशोर कारपेंटर	विक्रय पत्र
3	1033x7/2025	कालिदास मार्ग खंड2	29	मकान नं. 91	सागरमल पिता साहेबलालजी मोगरा	सागरमल पिता साहेबलालजी मोगरा	आदित्य मोगरा पिता सुरेन्द्रकुमार मोगरा	दान लेख
4	1034x7/2025	स्कीम 1 रोड 8	9	मकान नं. 525 का भाग	सुरेन्द्रकुमार पिता सागरमल मोगरा विकासकुमार पिता सागरमल मोगरा	विकासकुमार पिता सागरमल मोगरा	सुरेन्द्रकुमार पिता सागरमल मोगरा	हक त्याग पत्र
5	1035x7/2025	स्कीम 1 रोड 8	9	मकान नं. 525	सागरमल पिता साहेबलालजी मोगरा	सागरमल पिता साहेबलालजी मोगरा	आरती विकास मोगरा पति विकासभाई मोगरा	दान लेख
6	1036x7/2025	सुदामा नगर	38	मकान 46 का भाग	गुणमाला पति स्व. शैतानमल जैन द्वारा मु.आ. डॉ. कुशल पिता टोपनदास शर्मा	गुणमाला पति स्व. शैतानमल जैन द्वारा मु.आ. डॉ. कुशल पिता टोपनदास शर्मा	नरेन्द्रकुमार पिता भगवानदास शर्मा	विक्रय पत्र
7	1037x7/2025	कृष्णा विहार	22	प्लांट 50	इंद्रा पति नरेन्द्रकुमार गर्ग द्वारा मु.आ. नरेन्द्रकुमार पिता मोहनलाल गर्ग	इंद्रा पति नरेन्द्रकुमार गर्ग द्वारा मु.आ. नरेन्द्रकुमार पिता मोहनलाल गर्ग	हर्षित पिता राकेश सोनी	विक्रय पत्र
8	1038x7/2025	सुदामा नगर	38	मकान नं. 48 का भाग	तारा पति आनंदकुमार तिवारी व आदि	तारा पति आनंदकुमार तिवारी व आदि	नरेन्द्रकुमार पिता भगवानदास शर्मा	विक्रय पत्र
9	1039x7/2025	कैलाश मार्ग	13	दुकान नं. 8 का भाग 117 का भाग	शांतिलाल पिता नानालाल सोनी	शांतिलाल पिता नानालाल सोनी	दीपककुमार पिता जगदीश माहेश्वरी राहुलकुमार पिता सत्यनारायण माहेश्वरी	विक्रय पत्र
10	1040x7/2025	नर्मदा विहार	2	प्लांट ए-5	बंशीलाल पिता मोहनलालजी गुर्जर	बंशीलाल पिता मोहनलालजी गुर्जर	रामकुंवरबाई पति रामचंद्र गुर्जर	विक्रय पत्र
11	1041x7/2025	जनता कालोनी	11	मकान नं. सर्वे नं.71	नजमा पति जाकिर खान	नजमा पति जाकिर खान	रुकसाना बी पति मो. हनीफ खान	विक्रय पत्र
12	1042x7/2025	मदारपुरा गली	34	प्लांट 377 का भाग	गनी मो. मो. हुसैन इशाक पिता नसीब खां	गुलाम हुसैन पिता नजीर शाह	रानु बी पति वसीम मेवाती	विक्रय पत्र
13	1043x7/2025	इंद्रा कालोनी	4	मकाननं. 178	कालो. सईद खां पिता सलीम खां	मदनलाल पिता बाबुलाल भाटी	रविशंकर पिता ज्ञानधर तिवारी	विक्रय पत्र
14	1044x7/2025	सिटी सेंटर तिरुपति नगर	10	मकान नं फ्लेट 101	स्व. राजेशकुमार पिता गंगाप्रसाद दुबे	स्व. राजेशकुमार पिता गंगाप्रसाद दुबे	शोभा दुबे पति स्व. राजेश दुबे	मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र
15	1045x7/2025	अशोक मार्ग	23	मकान 237	गोपीबाई पति स्व. बगदीराम रेटोदिया	गोपीबाई पति स्व. बगदीराम रेटोदिया	जगदीश पिता स्व. बगदीराम रेटोरिया शांतिबाई पति स्व. रमेशचंद्र रेटोदिया	मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र

राजस्व अधिकारी
नगर पालिका मन्दसौर (म.प्र.)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद मन्दसौर (म.प्र.)

पिपलिया व मंदसौर के बीच मालगाड़ी से टकराई ट्रक..!

मची अफरा-तफरी, टीमों के मौके पर पहुंचने के बाद बताया मॉक ड्रिल थी

पिपलियामंडी, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पिपलिया और मंदसौर रेलवे स्टेशन के बीच शुक्रवार रात उस समय अफरा-तफरी मच गई जब पिपलिया व मंदसौर के बीच लालघाटी के पास स्थित रेलवे फाटक क्रमांक 149 पर मालगाड़ी से ट्रक की टक्कर होने की सूचना फैली। रात करीब आठ बजे रेलवे कंट्रोल रूम रतलाम से मिले निर्देश के अनुसार पिपलिया और मंदसौर स्टेशन के बीच दुर्घटना की जानकारी स्टेशन मास्टर ने दी। सूचना मिलते ही रेलवे स्टाफ, रेलवे सुरक्षा बल आरपीएफ, जीआरपी, स्थानीय पुलिस और अन्य विभागों की टीमें त्वरित रूप से मौके पर पहुंच गई। जैसे ही क्षेत्र में यह खबर फैली कि मालगाडी से ट्रक की टक्कर हो गई है, वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोग इसे वास्तविक दुर्घटना मानकर घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। रेलवे और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत सक्रियता दिखाते हुए राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिया। सभी विभागीय कर्मचारी पूरे सजग और तत्पर दिखाई दिए। लगभग एक घंटे तक घटनास्थल पर आपातकाल जैसी स्थिति बनी रही और मौके पर मौजूद हर अधिकारी और कर्मचारी गंभीरता के साथ स्थिति को संभालने में जुटा रहा। घटना के एक घंटे बाद रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह कोई वास्तविक दुर्घटना नहीं थी, बल्कि रेलवे कंट्रोल रूम रतलाम के निर्देश पर आयोजित एक पूर्व नियोजित मॉक ड्रिल थी। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य किसी संभावित आपदा या दुर्घटना की स्थिति में विभागों की तैयारियों, समन्वय, प्रतिक्रिया समय और आपसी तालमेल की जांच करना था। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के एएसआई रामकिशन ने बताया कि मॉक ड्रिल एक नियमित प्रशिक्षण प्रक्रिया होती है, जो आपदा प्रबंधन की दृष्टि से बेहद जरूरी है। इससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि किसी भी आपात स्थिति में सभी संबंधित विभाग बिना किसी देरी के सही कार्रवाई कर सकें और जान-माल की हानि को रोका जा सके। ऐसी मॉक ड्रिल से न सिर्फ कर्मचारियों की तैयारियों को परखा जाता है बल्कि यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित और समन्वित प्रयास किए जा सकें। हालांकि इस मॉक ड्रिल की पूर्व सूचना क्षेत्रीय नागरिकों को नहीं दी गई थी, जिससे लोगों के बीच कुछ समय तक भ्रम की स्थिति बनी रही। स्थानीय लोगों के बीच चर्चा रही कि रेलवे और अन्य विभागों ने जिस त्वरित गति और गंभीरता से कार्रवाई की, वह सराहनीय है। वहीं कुछ नागरिकों ने यह भी कहा कि यदि मॉक ड्रिल की जानकारी पहले दे दी जाती तो अफरा-तफरी की स्थिति नहीं बनती। इस पूरी कार्यवाही ने यह साबित कर दिया कि आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए रेलवे, पुलिस और अन्य विभाग पूरी तरह सजग और सतर्क हैं।

किसानों ने मंदसौर पहुंचकर सोसायटी सूठी के प्रबंधक राकेश चौधरी का निलंबन यथावत रखने की मांग की

मंदसौर, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था सूठी के अंतर्गत आने वाले 13 गांवों के लोगों ने 18 जुलाई, शुक्रवार को मंदसौर सुशासन भवन पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम जिला कलेक्टर प्रतिनिधि तहसीलदार प्रियंका मेमरोट को ज्ञापन देकर प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था सूठी के निलंबित प्रबंधक श्री राकेश चौधरी का निलंबन यथावत रखने की मांग की गई तथा ज्ञापन के माध्यम से श्री राकेश चौधरी के कारनामों से अवगत कराया।

दिये गये ज्ञापन में कहा कि प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था सूठी के हाल ही में निलंबित हुए प्रबंधक राकेश चौधरी आये दिन ग्रामीणों के साथ अभद्र व्यवहार करते है तथा भ्रष्टाचार के उनके उपर कई बार आरोप लग चुके है। सीएम हेल्पलाइन में भी उनके विरूद्ध ग्रामीणों ने कई शिकायतें की है। जिसके परिणाम स्वरूप माननीय कलेक्टर महोदया द्वारा निलंबित किया है। लेकिन राकेश चौधरी येन केन प्रकारेण अपना निलंबन को खत्म कराने में लगे हुए है। ग्रामीणों ने दिये ज्ञापन में कहा कि प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था सूठी प्रबंधक के पद से राकेश चौधरी को हटाया गया वह सही है। इनका निलंबन बरकरार रहना चाहिये। इनके पास आय से अधिक सम्पत्ति है उसकी भी जांच होना चाहिये। यह किसान बंधुओं को कुत्ते शब्दों से अपमानित करता है। सीएम हेल्पलाईन का मखौल उड़ाता है। जो घोर अपराध की श्रेणी में आता है। यह अपात्र किसानों को अपनी स्वार्थ सिद्धी कर पशु लोन देता हैं। 7 वर्षों से एक ही जगह पर कार्यरत है। कर्मचारी होने के बावजूद यह प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस पार्टी का प्रचार करता है। ऐसे व्यक्ति का निलंबन यथावत रखा जाए। ज्ञापन देने दिशा कुंवर, फुंदा कुंवर, टीनाकुंवर, लोकेन्द्र कुंवर, राजूलाल, बाबूकुंवर, लक्ष्मीलाल राठौर, लालचंद, पुरूषोत्तम राठौर, रमेश, गोपाल, जितेन्द्र सिंह, लक्ष्मीनारायण, महेन्द्रसिंह, मनोहरसिंह, मांगीलाल, श्यामलाल, संजयसिंह, कमलसिंह, कालुराम, दशरथ, लालचंद, प्रकाश, गोपाल सहित बड़ी संख्या में कृषकगण पहुंचे।

विधायक जी जब दूसरे दल में थे तब गौमाताओं की दुर्दशा पर खूब मुद्दे उठाए, अब खुद की...

विधानसभा में गौमाताओं की दुर्दशा नजरअंदाज

✻ बरसते पानी में 400 से अधिक गोवंश लेकर पहुंचे किसान, 5 घंटे तक भरी बारिश में समस्या को लेकर भटकते रहे

✻ किसान आंदोलन के नाम से बदनाम है, अब कहीं गौमाताओं के लिए आंदोलन करना ना पड़ जाए-प्रदेश प्रतिनिधि कांग्रेस

संजय महाजन

सुवासरा, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सुवासरा विधानसभा क्षेत्र पूरे प्रदेश में गौमाताओं की चिंता करने और गोवंशो की व्यवस्थाएं बनाने में सुर्खियों में तब आया जब इस विधानसभा के विधायक हरदीपसिंह डंग (जब कांग्रेस में थे) तब विधानसभा के बाहर गौमाताओं की दुर्दशा को लेकर धरने पर बैठ गए थे। उस समय यह मामला पूरे प्रदेश में सुर्खियों में बना था। और इस मुद्दे पर खूब राजनीति भी हुई थीं। इसके बाद विधायक डंग के पार्टी बदलकर भाजपा ज्वाइन की थी। और लोगों के भी उन्हें वोट देकर मंत्री बनाया था। उस समय भी गौमाताओं की व्यवस्थाओं के लिए उन्होंने कई वादे किए थे। लेकिन क्षेत्र में आज गौमाताओं के दयनीय हालात सामने आ रहे है। ये खुद ही बया कर रहें है कि गौमाताओं के मुद्दे विधानसभा में उठाने वाले विधायक खुद की ही विधानसभा में कितनी व्यवस्था कर रहे है। ऐसा ही एक मामला शुक्रवार सुबह सामने आया। जब कई किसान सैकड़ों गोवंशो को लेकर भटकते नजर आए।

400 से ज्यादा गोवंश लेकर पहुंचे किसान-नगर में शुक्रवार को सुबह 11:00 बजे ग्राम सेमली कांकड़ और धलपट के किसान आवारा मवेशियों को लेकर तहसील कार्यालय पहुंचे। दोनों गांव से करीबन 400 से अधिक गोवंश लेकर किसान तहसील कार्यालय पहुंचे थे। किसानों की समस्या थी कि बीती रात को उनके खेत में खड़ी फसल को इन गोवंशो ने नुकसान पहुंचाया। इतनी बड़ी संख्या में गोवंश लेकर किसान जब तहसील कार्यालय पहुंचे तो तहसील का प्रवेश गेट बंद होने से किसानों ने इन्हें कृषि उपज मंडी परिसर में छोड़ दिया। इस दौरान कांग्रेस नेता राकेश पाटीदार भी मौके पर पहुंचे। किसानों के साथ उन्होंने तहसीलदार से गायों की समस्या को लेकर चर्चा की। पाटीदार ने क्षेत्रीय विधायक हरदीपसिंह डंग पर गायो के नाम से राजीनीति करने का आरोप लगाया। वहीं इन गोवंशो से फसलों को हो रहे नुकसान को लेकर किसानों ने तहसीलदार को एक आवेदन भी दिया।

गौमाताओं पर राजनीति करने वाले अब धृतराष्ट्र बने बैठे है-कांग्रेस के प्रदेश प्रतिनिधि राकेश पाटीदार ने कहा कि क्षेत्र में गायो की स्थिती बहुत दयनीय है। लेकिन विधायक अब चुप बैठे है। विधायक डंग हमेशा से गायों के नाम पर राजनीति करते आए है। लेकिन क्षेत्र में गायों की जो स्थिति हो रही है। ये उन्हें नजर नहीं आ रही है। विधायक डंग गायों और किसानों की समस्याओं को लेकर

धृतराष्ट्र बने हुए है। यह क्षेत्र वैसे ही किसान आंदोलन के नाम से बदनाम है। कहीं गायों की व्यवस्थाओं के लिए भी अगला आंदोलन ना करना पड़ जाए। इधर किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि इन अवारा मवेशियों को गांधीसागर अभ्यारण्य में छोड़ा जाए। और उचित व्यवस्था की जाए नही तो क्षेत्रवासियों के साथ बड़ा आंदोलन करेंगे।

व्यवस्थाओं के लिए तहसीलदार ने अक्षमता दिखाई, किसानों का दबाव देखा तो लग गए काम में-गोवंशो की व्यवस्थाओं के लिए तहसीलदार अर्जुन सिंह भदोरिया ने पहले तो कोई कार्यवाही करने में अक्षमता दिखाई। बाद में किसानों के बढ़ते दबाव को देखकर काम में लग गए। और क्षेत्र की गौशाला संचालकों से बात की।जिसके बाद किशोरपुरा स्थित गौशाला में 100 गौवंश को भेजा गया। शेष गौवंश शाम होने तक कृषि उपज मंडी परिसर में ही मौजूद थे। प्रशासन की उदासीनता के कारण सुबह से शाम तक भरी बारिश में सभी गौवंश मंडी परिसर में कैद रहे। चार घंटे तक चारे पानी की कोई व्यवस्था इन गौवंश के लिए प्रशासन नही कर पाया। दो दिन पहले रात्रि में राजस्थान से कुछ लोग 200 से अधिक गौवंश को सड़क मार्ग से सुवासरा चौपाटी पर छोड़ गए थे। जिसके कारण भी क्षेत्र में इनकी संख्या अधिक हो गयी। शाम होते होते कृषि उपज मंडी परिसर में तहसीलदार ने इनके लिए चारे पानी की व्यवस्था करवाई। इसके साथ ही प्रशासनिक अधिकारी इन्हें उचित स्थान पर भेजने के प्रयास में लगे हुए थे।

सो मवेशियों को किशोरपुरा गौशाला में छुड़वाया गया हैं बाकी करीब ढाई सौ से तीन सो मवेशी बचे हैं इनकी व्यवस्था को लेकर अधिकारियों से चर्चा चल रही है कल तक इनकी व्यवस्था हो जाएगी गायों के चारे पानी की व्यवस्था कर दी गई है।

अर्जुनसिंह भदोरिया
तहसीलदार सुवासरा

इस संबंध में विधायक हरदीपसिंह डंग से चर्चा करना चाही। लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

संसदीय क्षेत्रवासियों को मिली नई ट्रेन की सौगात...

अब काचीगुड़ी व जोधपुर के लिए सीधी ट्रेन

मंदसौर, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सांसद सुधीर गुप्ता के प्रयासों से नीमच, मंदसौर व जावरा संसदीय क्षेत्रवासियों को एक सुविधा मिलने जा रही है। गाड़ी संख्या 17605/17606 काचिगुडा-भगत की कोठी (जोधपुर) प्रतिदिन नई रेलगाड़ी और भगत की कोठी से काचिगुडा 22 जुलाई से संचालित होगी।

काचीगुड़ा से भगत की कोठी (जोधपुर) के बीच चलने वाली इस नई ट्रेन का खंडवा में स्टॉपेज मिलेगा। ट्रेन का मार्ग काचीगुड़ा से शुरू होकर नांदेड़, अकोला, मलकापुर, खंडवा, इटारसी, रानी कमलापति, उज्जैन, रतलाम, जावरा, मंदसौर व नीमच होते हुए अजमेर, ब्यावर और पाली होते हुए भगत की कोठी (जोधपुर) तक जाएगा। सांसद सुधीर गुप्ता द्वारा इस ट्रेन के परिचालन की मांग लगातार की जा रही थी और समय-समय पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से व अन्य अधिकारियों से मुलाकात के दौरान चर्चा की जा रही थी। अब उनके यह प्रयास सफल भी हुए और 22 जुलाई से संसदीय क्षेत्रवासियों को नियमित ट्रेन की सुविधा मिलने लगेगी। ट्रेन संख्या 17605 काचीगुड़ा से रात 11.50 बजे रवाना होकर अगले दिन जावरा 7.45 बजे, मंदसौर 8.24 बजे एवं नीमच 9.14 बजे पहुंचेगी और चितौड़गढ़, अजमेर, पाली मार्ग से होते हुए भगत की कोठी (जोधपुर) रात 8.00 बजे पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 17606 भगत की कोठी से रात 10.30 बजे रवाना होगी। अगले दिन नीमच 8 बजकर 8 मिनिट, मंदसौर 8.58 और जावरा 9.48 बजे पहुंचेगी और उज्जैन, खंडवा मार्ग होते हुए ट्रेन काचीगुड़ा अगले दिन दोपहर 3.40 बजे पहुंचेगी। सांसद सुधीर गुप्ता ने बताया कि इस नियमित ट्रेन की सुविधा से यात्रियों को तो सुविधा मिलेगा साथ ही पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। सांसद सुधीर गुप्ता ने इस हेतु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अष्विनी वैष्णव जी का आभार प्रकट किया।

इन स्टेशनों पर रहेगा स्टॉपेज-नई ट्रेन का स्टॉपेज काचीगुड़ा, निजामाबाद, हजूरसाहिब नांदेड़, पुर्णा, हिंगोली, वाशिम, अकोला, मलकापुर, खंडवा, इटारसी, नर्मदापुरम, रानी कमलापति, संत हिरदाराम नगर, सीहोर, मक्सी, उज्जैन, रतलाम, जावरा, मंदसौर, नीमच, चित्तौडगढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, ब्यावर, सोजत रोड, मारवाड़ जंक्शन, पाली मारवाड़, भगत की कोठी (जोधपुर) रहेगा।

कुल 22 कोच लगेंगे-नई ट्रेन की संरचना ऐसी है कि इसमें कुल 22 कोच होंगे। जिनमें वातानुकूलित टू टियर के दो, वातानुकूलित थ्री टियर के 7, स्लिपर के 7, द्वितीय साधारण के चार, जनरेटर कार के दो कोच होंगे।

स्कूल शिक्षा विभाग के 5 केन्द्रीय पुस्तकालय संचालित

मंदसौर, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। स्कूल शिक्षा विभाग नागरिकों और विद्यार्थियों की सुविधा के लिये 5 केन्द्रीय पुस्तकालय और 36 जिलों में जिला पुस्तकालय संचालित कर रहा है। इन पुस्तकालयों में पाठकों के लिये अनेक उपयोगी पुस्तकें उपलब्ध हैं। विभाग द्वारा अनुदान के साथ स्वामी विवेकानंद लायब्रेरी (पूर्व में ब्रिटिश लायब्रेरी) भोपाल भी संचालित की जा रही है।

मौलाना आज़ाद केन्द्रीय पुस्तकालय भोपाल-शासकीय मौलाना आजाद केन्द्रीय पुस्तकालय भोपाल साहित्यिक पुस्तकों के भण्डार एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये प्रसिद्ध पुस्तकालय है, जहाँ पाठकों को न्यूनतम शुल्क पर अधिकतम सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। वर्तमान में पुस्तकालय में लगभग एक लाख से अधिक पुस्तकें हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, अरबी, फारसी आदि भाषाओं में उपलब्ध हैं। इसके साथ ही विभिन्न मासिक पत्रिका, समाचार-पत्र, इंटरनेट सुविधा, नि:शुल्क सेमिनार आदि की सुविधा भी इस पुस्तकालय में उपलब्ध है। पुस्तकालय में 3 रीडिंग हॉल में 600 पाठक बैठकर अध्ययन कर सकते हैं। इस वर्ष मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम द्वारा पुस्तकालय में मरम्मत एवं विकास कार्य किये गये हैं। पुस्तकालय में अध्ययन सुविधा के लिये 32 केबिन मॉडल स्टडी रूम का भी विकास किया जा रहा है। पुराने भोपाल में इस पुस्तकालय को सेंट्रल लायब्रेरी के नाम से भी जाना जाता है। स्थानीय नागरिकों में पुस्तक एवं पुस्तकालय के प्रति रुचि पैदा करने के उद्देश्य से नि:शुल्क पुस्तक मेले का आयोजन भी किया गया है। पुस्तकालय में महिला स्व-सहायता समूह को दीदी केंटीन के संचालन का कार्य भी दिया गया है। अहिल्यादेवी केन्द्रीय पुस्तकालय इंदौर, शासकीय केन्द्रीय पुस्तकालय ग्वालियर, शासकीय केन्द्रीय पुस्तकालय जबलपुर और शासकीय केन्द्रीय पुस्तकालय रीवा का भी संचालन किया जा रहा है।

निवेश के क्षेत्र में मील का पत्थर सिद्ध होगा स्पेन दौरा-मुख्यमंत्री

मंदसौर, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मप्र में विभिन्न सेक्टर्स में निवेश के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस क्रम में स्पेन का दौरा निवेश के क्षेत्र में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्पेन के दौरे के दूसरे दिन और दो देशों की यात्रा के पांचवें दिन मीडिया को जारी संदेश में कहा कि स्पेन के साथ भारत विशेष रूप से मध्यप्रदेश के व्यापारिक तथा औद्योगिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की पहल हुई है। खाद्य प्रसंस्करण, टेक्सटाइल आदि क्षेत्रों में स्पेन के उद्यमी मध्यप्रदेश में निवेश करें, इन संभावनाओं पर चर्चा की जा रही है। विभिन्न इकाईयों का अवलोकन भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा व्यक्त की कि निश्चित ही इसके सुखद परिणाम आएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 18 औद्योगिक नीतियों की जानकारी निवेशकों को दी जा रही है। युवाओं को कार्य का अवसर मिले और राज्य की आर्थिक स्थिति बेहतर हो। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प के अनुसार विकसित भारत के लिए मध्यप्रदेश में अधिक से अधिक निवेश और रोजगार के प्रयास किये जा रहे हैं।

बच्चों को समय-समय पर प्रतिभा प्रदर्शित करने मंच प्रदान किया जाना चाहिए -प्रभारी मंत्री

मंदसौर, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की उपस्थिति में भोपाल स्थित जवाहर बाल भवन में मुख्यमंत्री बाल खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव 2025 का समापन समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बच्चों को समय-समय पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच मिलना चाहिए। यह मंच केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि उनके आत्मविश्वास, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने का अवसर है।

कार्यक्रम में सुश्री भूरिया ने प्रतिभागी बच्चों के आत्मविश्वास और उत्साह की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सराहनीय पहल है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के इस अभिनव प्रयास की भी सराहना की और बच्चों को सीखने, आनंद लेने और एक-दूसरे से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया।उल्लेखनीय है कि महोत्सव के तहत 20 जून से 20 जुलाई 2025 तक प्रदेशभर में संचालित बालगृहों में खेल और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। जिले और संभाग स्तर पर संपन्न इन प्रतियोगिताओं में 6 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों ने भाग लिया। कुल मिलाकर 40 विधाओं में 286 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। भोपाल और नर्मदापुरम संभाग के 8 बालगृहों से आए बच्चों के बीच विविध आयु वर्गों में खेल जैसे लॉन्ग जंप, 100 मीटर दौड़, शतरंज, खो-खो, कबड्डी, केरम और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। संभाग स्तरीय विजेताओं को राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए चयनित किया गया है। समारोह में मंत्री सुश्री भूरिया ने विभिन्न स्पर्धाओं के विजयी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर महिला-बाल विकास विभाग की उप सचिव श्रीमती माधवी नागेंद्र सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे।

पति को परमेश्वर मानें तो जीवन में सुख समृद्धि आती है-रुद्र देवजी

27 दिवसीय शिव महापुराण, पार्थिव शिवलिंग पूजन अभिषेक एवं रुद्राक्ष वितरण कार्यक्रम प्रवाहित

नीमच, 18 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। माता लक्ष्मी जी ने विष्णु की सेवा की तो सुख समृद्धि का वरदान मिला था। कोई भी पत्नी अपने पति के मन से मधुर स्वभाव से सेवा करें तो पति के स्वभाव में परिवर्तन आता है। जो नारी पति की बात नहीं मानती है उसका कल्याण नहीं होता है। पति को परमेश्वर माने तो सुख समृद्धि का वरदान मिलता है।यह बात गुरुदेव रुद्रदेव जी त्रिपाठी (जावद वाले) ने कहीं।वे श्री हरि सत्संग मंडल एवं भक्तगण के तत्वाधान में गोमाबाई रोड स्थित लायन्स डेन सभागार में 11 जुलाई से 6 अगस्त तक आयोजित 27 दिवसीय संगीतमय श्री शिव महापुराण कथा एवं पर्वतीय शिवलिंग पूजन अभिषेक एवं रुद्राक्ष वितरण कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यदि हमें संसार में सुखी रहना है तो हमारे स्वभाव को हम इतना अच्छा बनाएं कि दुश्मन भी हमारा मित्र बन जाए। शिव सनातन संस्कृति के महान देवता है सती को मां

का सम्मान दिया था।

शिव भगवान श्री राम और नारायण का नाम लेकर जाप करते और समाधि में लीन हो जाते हैं। अच्छा वक्ता बनने के लिए अच्छा श्रोता भी बनना आवश्यक है। अच्छे लोगों की संगत करने से अच्छे संस्कार आते हैं। हम जैसे लोग की संगती करते हैं हम वैसे ही संस्कार सिखते है। जल से अतिथि तृप्त होते हैं इसी प्रकार नदी के जल में जलानजली तर्पण देने से पितृ को जल प्राप्त होता हैं और पितृ दोष दूर होता है। जहां सम्मान नहीं मिले वहां चाहे सोना भी बरसता हो तो नहीं जाना चाहिए। जहां सम्मान मिले वहां चाहे पत्थर भी बरसते हो तो जाना चाहिए। मां की ममता और मां का प्रेम कभी बुढ़ा नहीं होता है। संतान चाहे लाख कष्ट दे लेकिन मां हमेशा खुशहाली का वरदान देती है। मां की ममता का संसार में कोई सानी नहीं होता है। मां करुणा की निशानी है। महराज श्री ने शिव महापुराण कथा में दक्ष प्रजापती की60कन्या, पितृदोष निवारण, माता सति, गंगा जल, पार्वती,कनखल हरिद्वार क्षेत्र, पिता, मां, आदि धार्मिक प्रसंगों का वर्तमान परिपेक्ष्य में महत्व प्रतिपादित किया। शिव महापुराण पोथी पूजन आरती में हाईकोर्ट के पुर्व जज सुशील गुप्ता, नगर पालिका परिषद नीमच की अध्यक्ष स्वाती गौरव चोपड़ा,सुमित्रा मुकेश पोरवाल, हरगोविंद दीवान, बी एल धनोतिया, सुभाष व्यास उज्जैन, नीलेश पाटीदार,विजय जोशी एवं दिलिप दुबे आदि बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित थे। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम की श्रृंखला में सुबह 8 से 8:30 बजे तक वेद पाठ9 से 10 बजे तक हवन दोपहर 1 से 3 बजे शिव पुराण कथा 3 से 4:30 बजे तक 27हजार रुद्राक्ष शिवलिंग पूजन अभिषेक, सोमवार नागपंचमी, प्रदोष, हरियाली अमावस्या पर पार्थिव पूजन अभिषेक,सवालाख महामृत्युंजय मंत्र जाप, काल सर्प पूजन हवन शांति सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे।

✻ शवयात्रा ✻

मेरे बड़े भाई साहब, दीपक के पिताजी, ओमप्रकाश, जयप्रकाश के बड़ेपापाजी, विरल, हार्दिक, प्रतीक के दादाजी श्री बद्रीलाल तेलकार का निधन हो गया है। शवयात्रा 19 जुलाई, शनिवार प्रात: प्रात: 10 बजे हमारे निवास स्थान वार्ड 14 रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म के पास से निकलेगी।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
रमेश तेलकार, कसोदनिया परिवार, पिपलिया स्टेशन,तहसील मल्हारगढ, जिला मन्दसौर, मप्र
फर्म – तेलकार न्यूज एजेंसी, तेलकार फोटोकॉपी एन्ड कोरियर, रमेश जनरल स्टोर्स, पिपलिया स्टेशन

कार्यालय वन मण्डलाधिकारी, सामान्य वनमण्डल मंदसौर (म.प्र.)

Email-dfotmsour@mp.gov.in, Phone-07422255519(O), 09424794935(M)

क्रमांक/व्यय/25-26/3806 मंदसौर, दिनांक-17.07.2025

✻✻✻ ई-निविदा सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वन वृत्त उज्जैन के सामान्य वनमण्डल, मंदसौर अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-2026 में लाईन क्वार्टर फारेस्ट कालोनी मंदसौर निर्माण कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र की शर्त एवं विस्तृत जानकारी हेतु मध्यप्रदेश की वेबसाईट https://mptenders.gov.in एवं https://mpforest.gov.in पर लॉग ऑन करें।

निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपये 5000.00 तथा सत्यंकार की राशि रुपये 50000/- है। निविदा प्रपत्र ऑनलाईन ही क्रय किया जा सकेगा एवं निविदा ऑनलाईन ही प्रस्तुत करने पर मान्य होगी। निविदा कुल मूल्य लगभग रुपये 4116000/- है।

निविदा में किसी प्रकार का संशोधन होने की स्थिति में संशोधन की जानकारी वेबसाईट पर दी जायेगी।

अ.क्रं.	कार्य का नाम	निविदा क्रं.	स्थल जहां भवन निमार्ण कार्य होना है	अनुमानित राशि (रुपए लाख में)	अमानत राशि (रुपए में)	निविदा का प्रपत्र मूल्य (रुपए में)	कार्य पूर्ण करने का समय (06 माह वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	लाईन क्वार्टर मंदसौर निर्माण कार्य	2025-एमपीएफडी-438220	फारेस्ट कालोनी मंदसौर	41.16	50000	5000	जनवरी 2026

निविदा में किसी प्रकार का संशोधन होने की स्थिति में संशोधन की जानकारी वेबसाईट पर दी जायेगी।

क्रं	विवरण	दिनांक	समय
1	Publishing Date	18.07.2025	निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत करने तथा खोलने का समय वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर दर्शित है।
2	Document Downlload/Sale Start Date	18.07.2025	
3	Bid Submission Start Date	18.07.2025	
4	Bid Submission Closing Date	28.07.2025	
5	Bid Opening Date	30.07.2025	

संजय रायखेरे (भा.व.से)
वनमण्डलाधिकारी, सामान्य वनमंडल, मंदसौर

G-15892/25 **दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।**

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्या एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in